RNI No: DELMUL/2012/47011

07 नवंबर, 2026 शनिवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 219

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



38 साल के हुए विराट कोहली 07

भारत में पाकिस्तान-बांग्लादेश के गैर-मुस्लिमों पर सख्ती, वीजा लेना होगा

पहले हिंदू-सिख समेत 6 समुदायों को छूट थी

नई दिल्ली। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए 6 गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों को यहां रहने के लिए अब वीजा लेना होगा। इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं।पहले इन लोगों को पासपोर्ट और वीजा, दोनों की अनिवार्यता से छूट मिली हुई थी। यह बदलाव उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2024 या उससे पहले भारत आए थे। इनमें बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के आए लोग और जिनके दस्तावेजों की अवधि खत्म हो चुकी है, वे भी शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इमिग्रेशन नियमों में नए संशोधन की अधिसूचना जारी की। इसमें पाकिस्तानी नागरिकों और भारतीय मूल के कुछ विदेशियों को पासपोर्ट रिन्यू कराने से राहत देने के साथ भारत, नेपाल और भूटान के बीच यात्रा के नियम भी स्पष्ट किए गए हैं। नागरिकता संशोधन कानून 2019 और नए इमिग्रेशन आदेश, 2026 का संबंध



पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए छह गैर-मुस्लिम समुदायों से है। इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। हालांकि, दोनों का मकसद अलग है। सीएए के तहत पात्र लोगों को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने का रास्ता मिलता है.

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 लागू-वायु प्रदूषण रोकने के लिए लगाए गए कई प्रतिबंध

राजधानी की हवा हुई और जहरीली



नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता के गंभीर स्तर पर पहुंचने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत स्टेज 3 के उपाय लागू करने की घोषणा की है। यह कदम तब उठाया जाता है जब एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 401 से 450 के बीच पहुंच जाता है, जिसे गंभीर श्रेणी माना जाता है। ग्रैप स्टेज 3 के तहत सरकारी, नगर निगम और निजी कार्यालयों में कामकाज सीमित कर दिया गया है। दफ्तरों में सिर्फ 50 प्रतिशत स्टाफ को ही फिजिकली आने की अनुमति होगी बाकी कर्मचारियों को वर्क फॉम होम करने की सलाह दी गई है इसका उद्देश्य रोजाना की आवाजाही कम कर प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करना है।

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट बोला-कोई पाबंदी काम नहीं करेगी-कहा-

हम जितने ज्यादा आदेश देंगे नियमों का उल्लंघन उतना ही बढ़ेगा

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण रोकने के लिए वह जितने ज्यादा आदेश और पाबंदियां लगाएगा उनका उल्लंघन उतना ही बढ़ेगा।

कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या सिर्फ सख्त नियम बनाने से प्रदूषण की समस्या हल हो सकती है? बेंच ने प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने और उनके व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत बताई। मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने की। केंद्र सरकार और अन्य अधिकारियों की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण रोकने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों में नियम बनाए गए हैं। इनमें उद्योगों से निकलने वाला धुआं, गाड़ियों से होने वाला प्रदूषण, निर्माण और तोड़फोड़ से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल और पराली जलाना शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत स्वामित्व दस्तावेजों के पंजीयन अभियान में हुए शामिल

किसानों और ग्रामवासियों को उनकी सम्पत्ति का पूरा अधिकार दिया जा रहा है : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी के बाद संपत्तियों की पक्की रजिस्ट्री का कार्य काफी चुनौतीपूर्ण था। गांव में अपनी जमीन पर लाखों रुपए खर्च कर पक्का मकान बनाने के बाद भी उस संपत्ति का कोई रजिस्टर्ड दस्तावेज नहीं होता था। बैंक भी उस संपत्ति पर कोई ऋण नहीं देते थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्रामीण आबादी को पट्टे दिए। अब राज्य सरकार ने संपत्तियों की पक्की रजिस्ट्री कराने का अभियान शुरू किया है। जिला प्रशासन के सभी अधिकारी, तहसीलदार-पटवारी मिलकर ग्रामवासियों को दीपावली पर निःशुल्क रजिस्ट्री के जरिए खुशियां बांट रहे हैं। मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत किसानों और ग्रामवासियों को उनकी संपत्ति का पूरा अधिकार दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना में प्रदेशभर में 50 लाख निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का लक्ष्य रखा है।



मुख्यमंत्री ने मंदिर में किया पूजन अर्चन

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दीपोत्सव के शुभारंभ और सुख समृद्धि की मंगल कामना के पावन पर्व धनतेरस पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मंदिर में पूजन अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन स्थित महर्षि सांदीपनि आश्रम के प्राचीन कुंडेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान भगवान कुबेर से सभी के जीवन में वैभव और आरोग्यता बनाए रखने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सब परमात्मा की कृपा और अपने सामर्थ्य व समृद्धि से गरीब से गरीब आदमी के जीवन में सुख का सवेरा लाएं, सभी के काम आएं और जियो और जीने दो के भाव को बढ़ाएं, ईश्वर से यही कामना है।

मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन क्लिक कर किया रजिस्ट्री का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में पटवारी श्री मुकेश तिवारी एवं श्री विवेक सिकरवार से स्वामित्व योजना के अंतर्गत रजिस्ट्री कार्य की विस्तार से जानकारी ली एवं सम्मानित पटवारियों से उनके अनुभवों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि ग्रामीणों के मकानों की रजिस्ट्री कराते समय उन्हें कैसा अनुभव हुआ। पटवारियों ने बताया कि जब वे किसी ग्रामीण के मकान की रजिस्ट्री कराकर उसे उसके नाम का पक्का मालिकाना अधिकार दिलाते हैं.

बच्चों के भविष्य निर्माण में भी उपयोगी होंगे रजिस्ट्री के दस्तावेज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब बच्चे पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर बनेंगे और अपना नर्सिंग होम या अस्पताल खोलना चाहेंगे अथवा कोई अन्य व्यवसाय शुरू करना चाहेंगे, तब बैंक से ऋण लेने के लिए उन्हें रजिस्ट्री के दस्तावेज भी उपलब्ध होने चाहिए। इससे उन्हें आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत जिन गांवों में 80 से 100 प्रतिशत तक रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं, ऐसे गांवों में मंत्री, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचकर धनतेरस पर हितग्राहियों को दस्तावेज बांट रहे हैं।

डॉ. निशांत खरे बने भाजपा के कार्यालय प्रभारी

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे को प्रदेश कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है। इस संबंध में 6 नवंबर 2026 को नियुक्ति आदेश जारी किया गया।खंडेलवाल ने प्रदेश अध्यक्ष बनने के करीब 3 महीने 21 दिन बाद 23 अक्टूबर 2025 को प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की थी। उस समय डॉ. निशांत खरे को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया था। अब कार्यकारिणी की घोषणा के करीब एक साल बाद उन्हें संगठन के प्रदेश कार्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हेमंत खंडेलवाल 2 जुलाई 2025 को मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए थे। इसके बाद संगठन में नई टीम के गठन का लंबे समय से इंतजार था। केंद्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद 23 अक्टूबर 2025 को उन्होंने प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी की थी।



हेमंत खंडेलवाल ने सौंपी जिम्मेदारी; कार्यकारिणी गठन के 1 साल बाद मिला नया दायित्व

धनतेरस पर बाजारों में धन की बरसात

राजधानी भोपाल के बाजारों में उमड़ी भीड़, हल्की ज्वेलरी,सिक्कों की मांग,बर्तन आकर्षण



भोपाल। भोपाल में धनतेरस पर शुक्रवार को बाजारों में जमकर धन बरस रहा है। सुबह से शुरू हुई खरीदारी का सिलसिला शाम होते-होते और तेज हो गया। शहर के प्रमुख बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ नजर आ रही है। कोई सोने-चांदी के सिक्के खरीद रहा है तो कोई घर के लिए नए बर्तन, टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन ले रहा है। इस बार बाजार में एक खास बदलाव दिखाई दे रहा है। सोने की कीमतों के बीच ग्राहक भारी गहनों के बजाय हल्की ज्वेलरी और कम वजन के सिक्कों को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, बर्तन बाजार में कांसे की थालियों और पीतल के पूजा बर्तनों की मांग बढ़ी है। कारोबारियों के अनुमान के मुताबिक, इस बार धनतेरस पर भोपाल में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हो सकता है।

चौक बाजार में सराफा दुकानों पर सबसे ज्यादा रौनक

धनतेरस पर पुराने भोपाल के चौक बाजार स्थित सराफा बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ी हुई है। सोना-चांदी खरीदने के लिए लोग परिवार के साथ पहुंच रहे हैं। श्री सराफा एसोसिएशन चौक के सचिव अखिलेश मित्तल के मुताबिक, इस दिवाली सीजन में भोपाल का सोना-चांदी कारोबार 150 करोड़ रुपये के पार पहुंचने की उम्मीद है। पिछले साल यह कारोबार करीब 100 से 125 करोड़ रुपये के बीच रहा था। कारोबारी राजेश अग्रवाल के मुताबिक, कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण ग्राहक खरीदारी का बजट ध्यान में रख रहे हैं।

टीवी से लेकर स्मार्ट वॉशिंग मशीन तक की मांग

इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में भी धनतेरस की रौनक है। टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव और मोबाइल फोन की खरीदारी हो रही है। घरेलू उपकरणों के कारोबारी सुनील कुमार के मुताबिक, 32 से 75 इंच तक के टीवी की मांग है। इसके अलावा अलग-अलग क्षमता वाले फ्रिज और स्मार्ट तकनीक वाली वॉशिंग मशीन भी ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

पत्नी-सास समेत ससुराल के 7 सदस्यों की हत्या

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में घरेलू विवाद के चलते एक कैब ड्राइवर ने अपनी पत्नी समेत उसके परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी। मृतकों में 7 साल का बच्चा भी शामिल है। आरोपी की पहचान शेखर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, शेखर की शादी करीब 20 साल पहले सुनीता से हुई थी। दोनों के बीच सुनीता के मायके जाने को लेकर अक्सर विवाद होता था। सुनीता की मां और भाई भी उसका साथ देते थे। इसी बात से नाराज होकर शेखर ने पूरे परिवार को खत्म करने की साजिश रची।आरोप है कि शेखर ने पहले अपनी पत्नी सुनीता की घर में सिलबट्टे से हत्या की और शव को कपड़े में लपेटकर नंदी हिल्स के पास फेंक दिया। इसके बाद उसने सुनीता का मोबाइल बंद कर दिया और पड़ोसियों को बताया कि वह घूमने गई है। अगले दिन उसने अपने दो सालों शिवकुमार और शंकर को पार्टी के बहाने घर बुलाया और उनकी हत्या कर दी। इसके बाद दोनों की पत्नियों दिव्या और नलिनी, अपनी सास रूपवती और शिवकुमार के 7 साल के बेटे पुनीत को भी मार डाला।



मायके जाने से नाराज था पति; पार्टी के बहाने घर बुलाया, सिलबट्टे से जान ली

दिल्ली-एनसीआर में हवा हुई दमघोंटू, इंडिया गेट के पास वायु गुणवत्ता सूचकांक 399 दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आज सुबह इंडिया गेट के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक ((एक्यूआई) 399 दर्ज किया है। यह 'बहुत खराब' श्रेणी है। यह स्थिति दिल्ली के वातावरण में बढ़ते प्रदूषण को दर्शाती है। लोगों ने शाम ढलते ही पटाखे चलाने शुरू कर दिए हैं। यह तब है, जब उच्चतम न्यायालय पटाखों के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। शासन की आंखों में पट्टी बंधी हुई है। दिल्ली में दिवाली से पहले ही वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई है। दिल्ली एम्स के आसपास के इलाके में वायु



गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई है। नौरोजी नगर रिंग रोड पर एक्यूआई 416 तक पहुंच गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक 296 पाया गया और इस क्षेत्र की हवा को 'खराब' श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। अक्षरधाम मंदिर के आसपास 293 एक्यूआई दर्ज हुआ।

प्रमुख प्रतिबंध

- खुले में होने वाले निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर प्रतिबंध रहेगा।
- यह रोक राजमार्ग, सड़क, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, विद्युत पारेषण, पाइपलाइन और दूरसंचार जैसे रैखिक परियोजनाओं पर भी प्रभावी होगी।

गाजियाबाद में 692 एक्यूआई

गाजियाबाद में गुरुवार को हवा की गुणवत्ता खराब रही। यहां एक्यूआई 692 दर्ज किया गया। वहीं गुरुग्राम में आज एक्यूआई 512 दर्ज किया गया। जबकि फरीदाबाद में 667 एक्यूआई दर्ज किया गया है। यह आंकड़े एक्यूआई डॉट इंडिया ने जारी किए हैं।

एक शताब्दी से अधिक समय से चली आ रही है परंपरा

मेदिनीपुर में होती है सेतुआ परिवार की ऐतिहासिक काली पूजा

मेदिनीपुर (एजेंसी)

पश्चिम मेदिनीपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्राचीन और ऐतिहासिक काली पूजा आयोजित की जाती हैं। इनमें मेदिनीपुर शहर के पाटनाबाजार स्थित सेतुआ लेन की सेतुआ परिवार की काली पूजा का विशेष स्थान है। लगभग एक शताब्दी से अधिक समय से चली आ रही इस पूजा के साथ इतिहास, आस्था और पारिवारिक परंपरा की कई कहानियां जुड़ी हुई हैं।

एक समय मेदिनीपुर शहर में आज की तरह व्यापक स्तर पर काली पूजा का आयोजन नहीं होता था। उस दौर से ही सेतुआ परिवार की काली पूजा में दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगता रहा है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, लगभग सौ वर्ष से अधिक पहले परिवार के प्रपितामह सुरेंद्रनाथ सेतुआ ने स्वप्नादेश मिलने के बाद मां काली की पूजा शुरू की थी। प्रपितामह सुरेंद्रनाथ सेतुआ के नाम पर ही बाद में इस इलाके का नाम सेतुआ लेन पड़ा। इस प्रकार यह काली पूजा केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के इतिहास से भी गहराई से जुड़ी हुई है। सेतुआ परिवार की इस काली पूजा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां कभी पशुबलि की परंपरा नहीं रही।



परिवार के वंशज अलग-अलग स्थानों पर रहते हैं

परिवार के वंशज वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर रहते हैं, लेकिन पूजा के अवसर पर सभी एक साथ एकत्रित होते हैं। इस दौरान परिवार के सदस्यों के बीच मेल-मिलाप और उत्साह का वातावरण रहता है। नई पीढ़ी भी इस पुरानी परंपरा से जुड़कर इसे आगे बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों के एक वर्ग का मानना है कि मां सेतुआ काली की प्रतिमा का स्वरूप लछिपोद्दार की काली प्रतिमा से काफी मिलता-जुलता है। कुछ लोग दोनों प्रतिमाओं को दो बहनों के रूप में भी देखते हैं। यह स्थानीय मान्यता भी इस पूजा के आकर्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भोर तक चलती थीं पूजा की रस्में

पहले इस पूजा के दौरान भव्य आयोजन किया जाता था। ढाक, ढोल और विभिन्न वाद्ययंत्रों की धुन पर भोर तक पूजा की रस्में चलती थीं। शाम से ही नैवेद्य अर्पित कर मां की आराधना शुरू होती थी। इसके बाद आतिशबाजी और पटाखों के माध्यम से उत्सव का उल्लास चारों ओर फैल जाता था। रातभर उत्सव का माहौल बना रहता था। अगले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण करते थे।

संपादकीय

जाड़ों का मौसम व प्रदूषण

देशभर में अब जाड़ों ने दस्तक दे दी है, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार जाड़ा कई राज्यों में बहुत सख्त भी हो सकता है, लेकिन जाड़ों के इन तमाम अनुमानों के बीच सबसे बड़ा और कठिन प्रश्न यह है कि देश के अनेक शहर में हवा जहरीली होने लगती है। हाल में दिल्ली-एनसीआर में तो ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान का पहला चरण लागू करना पड़ा है। इससे सटे गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, बागपत, बुलंदशहर, हरियाणा के गुरुग्राम, बहादुरगढ़, बल्लभगढ़ समेत कई शहरों में एक्यूआई 200 के ऊपर रहा, यानी खराब। इधर मप्र तक सरकारों को अभी से एहतियाती कदम याद आने लगे हैं। दरअसल ठंड के मौसम में यह समस्या हर साल सामने आती है। इस बार भी आशंका है कि इस बार अल-नीनो की वजह से मुश्किल और बढ़ेगी। इसके चलते सर्दियों में बारिश कम होगी और तापमान ज्यादा रहेगा। इससे वायु प्रदूषण बढ़ सकता है। अभी तो वह पीक सीजन आना भी बाकी है, जब पराली जलाने की सबसे ज्यादा घटनाएं दर्ज होती हैं।

पिछले साल बाढ़ की वजह से पंजाब में कम पराली जलाई गई थी, इस दफा आंकड़ा अभी से बढ़ा हुआ है। इसी तरह, दिवाली के आसपास भी हवा की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित होती है। दिल्ली की बात करें तो उसके लिए सर्दियों में सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। पिछले साल नवंबर में 24 दिनों तक एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के ऊपर रहा था और तीन दिन तो 400 के पार चला गया था यानी बेहद गंभीर रहा। अब इ सबार दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए खास योजना बनाई है, जो ग्रेप से अलग है। इसमें कंस्ट्रक्शन साइटों पर रोक, प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर पाबंदी जैसे कदम शामिल हैं। हालांकि ये उपाय तभी असर दिखा पाएंगे, जब इन पर सख्ती से अमल हो। वैसे ग्रेप या दूसरे उपाय समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। इनके जरिये कुछ वक्त तक और कुछ हद तक प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सकता है। देश के शहरों और खासकर महानगरों को विस्तृत कार्ययोजना की जरूरत है। इस मामले में चीन का उदाहरण सामने है, जिसने अपने अपने बड़े शहरों को बहुत हद तक साफ बनाया है। चीन की राजधानी पेइचिंग में पीएम के सालाना औसत स्तर में 66 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

चीन ने प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर सख्ती, सार्वजनिक परिवहन व इलेक्ट्रिक वीकल को बढ़ावा और कोयले पर निर्भरता घटाकर यह सफलता हासिल की है। यूं तो देश में हर जाड़ों में दिल्ली में होने वाले प्रदूषण सबसे ज्यादा सुर्खी में रहता है। मगर पूरा जोर दिल्ली को साफ करने पर रहता है जबकि हकीकत यह है कि एक जगह तमाम उपाय आजमाने से दूसरी जगह निगरानी कमजोर पड़ती है, तो पूरा फायदा भी नहीं मिलेगा इसलिये यह भी जरूरी है कि सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों के आसपास के इलाकों को भी एक्शन प्लान में शामिल किया जाए और इसकी तैयारी भी पहले से की जाए। दरअसल दिल्ली तो प्रदूषण का एक उदाहरण है लेकिन भारत के कई दूरदराज के शहरों में भी यह समस्या तेजी से बढी है। इसलिये शहरों पर बढते आबादी के बोझ और सघन होती बसाहट व वाहनों के रेले से पैदा होने वाली समस्याएं भांपकर राज्यों में सरकारों को भविष्य की आहट को महसूस करना होगा।

सुविचार

गरीबी दैवी अभिशाप नहीं बल्कि मानवरचित षड़यंत्र है।



आरोग्य, धन और समृद्धि का पावन पर्व है धनतेरस

धनतेरस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष दीपावली से दो दिन पूर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 6 नवंबर को मनाया जा रहा है। भारतीय संस्कृति में धनतेरस का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे केवल धन और वैभव की प्राप्ति का पर्व मानना उचित नहीं होगा बल्कि यह आरोग्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का भी अवसर है। इस दिन विशेष रूप से भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा-अर्चना की जाती है। धनतेरस का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर समुद्र से प्रकट हुए थे। उन्हें भगवान विष्णु का अंशावतार तथा आयुर्वेद का प्रवर्तक माना जाता है। मान्यता है कि उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था, जो जीवन, स्वास्थ्य और अमरत्व का प्रतीक है। इसी कारण उन्हें देवताओं का वैद्य और आरोग्य का देवता कहा जाता है। समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत के माध्यम से देवताओं को अमरत्व प्राप्त हुआ था। भगवान धन्वंतरि के इसी दिव्य प्राकट्य की स्मृति में धनतेरस मनाने की परंपरा प्रचलित हुई।

भगवान धन्वंतरि का संबंध केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है बल्कि उनका आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा परंपरा में भी विशेष स्थान है। आयुर्वेद को जीवन का विज्ञान माना गया है, जिसका उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं बल्कि शरीर और मन को स्वस्थ रखते हुए दीर्घ एवं संतुलित जीवन प्रदान करना है। यही कारण है कि धनतेरस का दिन चिकित्सकों, वैद्यों और चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा कर लोग परिवार के आरोग्य, निरोगी काया और दीर्घायु की कामना करते हैं। धनतेरस हमें यह संदेश भी देता है कि वास्तविक धन केवल सोना, चांदी और संपत्ति नहीं बल्कि अच्छा स्वास्थ्य, मानसिक शांति और संतोषपूर्ण जीवन है। इसलिए इस पर्व का मूल भाव धन के साथ आरोग्य और समृद्धि की मंगलकामना करना है। धनतेरस के पर्व पर भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ मृत्यु के देवता यमराज के पूजन तथा दीपदान का भी विशेष विधान है। इस दिन संध्याकाल में घर के मुख्य द्वार पर दक्षिण दिशा की ओर यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है, जिसे 'यम दीपक' अथवा 'यमदीपदान' कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से परिवार के सदस्यों को अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि तथा मंगल बना रहता है। इस परंपरा के पीछे एक अत्यंत रोचक और भावुक पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, एक बार यमराज ने अपने दूतों से पूछा कि प्राणियों के प्राण हरते समय क्या कभी ऐसा अवसर भी आया, जब किसी व्यक्ति के प्रति तुम्हारे मन में दया उत्पन्न हुई हो और तुम्हारा हृदय करुणा से भर उठा हो? यमराज का प्रश्न सुनकर यमदूतों ने उत्तर दिया कि वे तो केवल उनकी आज्ञा का पालन करने वाले सेवक हैं। उनका कार्य निर्धारित समय पर जीवों के



प्राण लेना है, इसलिए दया और मोह-माया का उनके कार्य में कोई स्थान नहीं है। हालांकि, यमराज द्वारा निर्भय होकर सच बताने का आश्वासन दिए जाने पर उन्होंने एक ऐसी घटना का उल्लेख किया, जिसने उन्हें भी भीतर तक विचलित कर दिया था। यमदूतों ने बताया कि एक बार हंस नाम का राजा शिकार के लिए जंगल में गया था। शिकार करते समय वह अपने साथियों से बिछुड़कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने अतिथि धर्म का पालन करते हुए उसका खूब आदर-सत्कार किया। संयोगवश उसी दिन राजा हेमा की पत्नी ने एक अत्यंत सुंदर पुत्र को जन्म दिया। राजपरिवार में खुशियां छा गई लेकिन ज्योतिषियों ने नवजात राजकुमार की कुंडली देखकर भविष्यवाणी की कि विवाह के ठीक चार दिन बाद उसकी मृत्यु हो जाएगी। यह सुनकर राजा और रानी शोकाकुल हो उठे। उन्होंने अपने पुत्र को इस अनिष्ट से बचाने के लिए उसे यमुना नदी के किनारे एक निर्जन गुफा में रखवा दिया। वहां उसके पालन-पोषण की राजसी व्यवस्था की गई और विशेष सावधानी बरती गई कि उस पर किसी युवती की छाया तक न पड़े। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। एक दिन संयोगवश राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर पहुंच गई। वहां उसकी दृष्टि राजकुमार पर पड़ी और दोनों एक-दूसरे को देखते ही मोहित हो गए। उनके बीच प्रेम उत्पन्न हुआ और उन्होंने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया। दुर्भाग्यवश, ज्योतिषियों की भविष्यवाणी के अनुसार विवाह के चार दिन बाद ही राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने अपने जीवन में उस नवविवाहित जोड़े जैसा सुंदर और प्रेमपूर्ण युगल कभी नहीं देखा था। दोनों कामदेव और रति के समान प्रतीत होते थे। राजकुमार के प्राण हरने के बाद जब उसकी नवविवाहिता पत्नी ने विलाप करना शुरू किया तो उसका करुण क्रंदन सुनकर यमदूतों का हृदय भी द्रवित हो उठा। यह पूरा वृत्तांत सुनने के बाद यमराज ने कहा कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ उनके निमित्त दीपदान करने से अकाल मृत्यु के भय से रक्षा होती है। तभी से धनतेरस पर यमदीपदान की परंपरा प्रचलित होने की मान्यता है। इसी विश्वास के चलते लोग संध्याकाल में घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक जलाकर यमराज से परिवार के सभी सदस्यों की लंबी आयु और आरोग्य की प्रार्थना करते हैं। धनतेरस पर खरीदारी की भी विशेष परंपरा है। इस दिन पुराने और टूटे-फूटे बर्तनों के स्थान पर नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। विशेष रूप से तांबे, पीतल और चांदी के बर्तन खरीदने की परंपरा है। अनेक लोग सोने-चांदी के आभूषण, सिक्के और अन्य उपयोगी वस्तुएं भी खरीदते हैं। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं घर में सुख, सौभाग्य और समृद्धि लेकर आती हैं। कुछ परिवारों में नई झाड़ू खरीदकर उसका पूजन करने की भी परंपरा है। झाड़ू को माता लक्ष्मी का प्रतीक मानते हुए इसे घर से दरिद्रता और नकारात्मकता दूर करने का माध्यम माना जाता है। हालांकि, धनतेरस का वास्तविक संदेश केवल अधिक खरीदारी करना नहीं बल्कि धन के सदुपयोग, स्वच्छता, स्वास्थ्य और संतुलित जीवन का महत्व समझना है।

दुनिया के पहले चिकित्सा विज्ञानी धन्वन्तरि

प्रमोद भार्गव

समुद्र-मंथन के अंत में आयुर्वेदाचार्य धन्वन्तरि देव और दानवों को हाथों में अमृत-कलश लिए मिले थे। दरअसल समुद्र-मंथन की इस वैश्विक घटना की जानकारी विश्व के उन सभी दूरांचलों में फैल गई थी, जिनकी अपनी सत्ता थी। उस समय धन्वन्तरि चिकित्सा क्षेत्र के बड़े अनुसंधित्सु और वैद्य के रूप में विख्यात हो चुके थे। जिस तरह से समुद्र-मंथन के यात्रियों को विभिन्न देशों में पहुंचने पर कामधेनु गाय, उच्चैश्रवा घोड़ा, ऐरावत हाथी, कौस्तुभ मणि, कल्पवृक्ष, रंभा, लक्ष्मी, वारूणी, चंद्रमा, पारिजात वृक्ष, पांचजन्य शंख मिले, उसी प्रकार इस अल्पज्ञात क्षेत्र में धन्वन्तरि मिले। हालांकि धन्वन्तरि जिस औषधीय वन-प्रांतर में रहते थे, उस भू-खंड में उरू, पुरू आदि मूल भारतीय पहले ही पहुंच गए थे। धन्वन्तरि उन्हीं के वंशज थे। धन्वन्तरि और इस क्षेत्र के मुखियाओं को जब देव व असुरों जैसे पराक्रमियों के आने की सूचना मिली, तो वे समझ गए कि इस समूह से किसी भी प्रकार का संघर्ष उचित नहीं है। अपितु इनसे बेहतर संबंध बनाना उचित है। बुद्धिमत्तापूर्ण इस पहल से धन्वन्तरि ने भी समझा होगा कि उनके अब तक के जो भी औषधीय अनुसंधान हैं, उन्हें वैश्विक मान्यता तो मिलेगी ही, विश्व प्रसिद्ध देव व असुरों की चिकित्सा करने का भी अवसर मिलेगा।

श्रीमद् भगवत और वृहत: ब्रह्मानंद उननिषद् के अनुसार समुद्र मंथन की प्रक्रिया आगे बढ़ने पर, प्रकट होने वाले 14 रत्नों में से एक भगवान धन्वन्तरि थे। उनका शरीर बादलों की कांति की तरह चमक रहा था। उनके नेत्र कमल के समान थे। उनकी गर्दन कम्बू जैसी थी। उनका वक्ष विशाल था। उनके हाथ लंबे थे। शरीर पर पीतांबर धारण किए वे चिर युवा लग रहे थे। उनके कानों में मगर आकृति के कुण्डल थे। चतुर्भजधारी धन्वन्तरि के एक हाथ में आयुर्वेद शास्त्र, एक में वनस्पति, एक में शंख और एक में जीवनदायी अमृत था। वे कई तरह के रत्न, आभूषण और विभिन्न जड़ी-बूटियों से गुंफित वनमाला पहने थे। उनके इस दिव्य रूप से सभी देव-दानव आश्चर्यचकित हुए। वैसे धन्वन्तरि स्वयं इंद्र के यज्ञांश-भोजी थे। इसीलिए सनातन धर्म में यह मान्यता चली आ रही है कि भगवान विष्णु ने जीव-जगत के त्राण के लिए जो 24 अवतार लिए, उनमें धन्वन्तरि बारहवें अंशावतार हैं। धन्वन्तरि के हाथ में अमृत-कलश देखते ही देव व दानव उसका पान करने के लिए लालायित व चंचल हो उठे।

धरा पर प्राणियों की सृष्टि से पहले ही प्रकृति यानी ब्रह्मा ने घटक-द्रव्य युक्त वनस्पति जगत की सृष्टि कर दी थी, ताकि रोगग्रस्त होने पर उपचार के लिए मनुष्य उनका प्रयोग कर सके। धन्वन्तरि और उनकी पीढ़ियों ने ऐसी अनेक वनस्पतियों की खोज व उनका रोगी मनुष्य पर प्रयोग किए। इन प्रयोगों के निष्कर्ष श्लोकों में ढालने का उल्लेखनीय काम भी किया, जिससे इस खोजी विरासत का लोप न हो। इन्हीं श्लोकों का संग्रह आयुर्वेद है। एक लाख श्लोकों की इस संहिता को ब्रह्म-संहिता भी कहा जाता है। इन संहिताओं में सौ-सौ श्लोक वाले एक हजार अध्याय हैं। बाद में इनका वर्गीकरण भी किया गया। इसका आधार अल्प-आयु तथा अल्प-बुद्धि को बनाया गया। वनस्पतियों के इस कोश और उपचार विधियों का संकलन अथर्ववेद भी है। अथर्ववेद के इसी सारभूत संपूर्ण आयुर्वेद का ज्ञान धन्वन्तरि ने पहले दक्ष प्रजापति को दिया और फिर अश्विनी कुमारों को किया। अश्विनी कुमारों ने ही वैद्यों के ज्ञान वृद्धि की दृष्टि से अश्विनी कुमार संहिता की रचना की। मत्स्यावतार के समय भगवान विष्णु ने वेदों का उद्धार किया था। तभी विष्णु ने वहीं वेदों के साथ अथर्ववेद के उपांग के रूप में आयुर्वेद को भी प्राप्त करने का उल्लेख किया है। भूलोक में प्राणियों को रोगों से पीड़ित व मृत्यु को प्राप्त होते देखकर भगवान विष्णु द्रवित हुए और विशुद्ध नामक मुनि के पुत्र के रूप में अवतरित हुए। वे भूलोक में चर की भांति छिपकर आए थे, इसलिए चरक नाम से पृथ्वी पर प्रसिद्ध हुए। इन्हीं चरक ने ऋषि-मुनियों द्वारा रचित संहिताओं को परिमार्जित करके चरक-संहिता की रचना की थी। यह ग्रंथ आयुर्वेद का प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। एक अन्य पुराण-कथा में उल्लेख है कि एक बार वयुयान से भूलोक पर दृष्टिपात करने पर इंद्र ने मनुष्यों को बड़ी संख्या में रोगग्रस्त पाया। उन्होंने धन्वन्तरि को आयुर्वेद का संपूर्ण ज्ञान देने के लिए ज्ञान परंपरा की परिपाटी चलाने का अनुरोध किया।

सेहत

सहजन मुनगा के फायदे ....



सहजन खाने के कई फायदे हैं, जिनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना, ब्लड शुगर को नियंत्रित करना, हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, हड्डियों को मजबूत करना और पाचन में सुधार करना शामिल है। यह विटामिन, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो शरीर को संक्रमणों से लड़ने और त्वचा व बालों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

मुख्य्य लाभ

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है- सहजन में विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं और सर्दी-खांसी से लड़ने में मदद करते हैं।

ब्लड शुगर नियंत्रित करता है- यह मधुमेह के रोगियों के लिए फायदेमंद है क्योंकि यह ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है और इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभदायक- सहजन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण हृदय रोगों के जोखिम को कम करते हैं, कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाता है- कैल्शियम और फास्फोरस से भरपूर होने के कारण, यह हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकता है।

पाचन में सुधार करता है- इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

त्वचा और बालों के लिए अच्छा है- विटामिन A और E जैसे पोषक तत्व त्वचा को चमकदार बनाते हैं, जबकि यह बालों को मजबूत और घना बनाने में भी मदद कर सकता है।

कैंसर से बचाव में सहायक- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से बचाव कर सकते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं के निर्माण को रोकने में मदद कर सकते हैं। त्वचा की किसी भी स्थिति या समस्या में सहजन से काफी फायदा हो सकता है। आप इसकी कोमल पत्तियों और फूलों को सब्जी की तरह भी खा सकते हैं, जो त्वचा की समस्याओं को रोककर आपको जवान बनाए रखने में मदद करते हैं। सहजन का सेवन महिलाओं के लिए लाभकारी होता है। मासिक धर्म संबंधी समस्याओं को रोकने के साथ-साथ यह बेहतर स्वास्थ्य और गर्भाशय संबंधी समस्याओं के उपचार मे भी सहायता करता है।

ज्ञानवाणी

परिवार और दोस्त

घने जंगल में जंगली भैंसों का एक विशाल झुंड चर रहा था। सूरज की किरणें पेड़ों के बीच से छनकर ज़मीन पर पड़ रही थीं, और हवा में मिट्टी की हल्की-सी खुशबू फैली थी।

उसी झुंड में एक नन्हा-सा बछड़ा अपने पिता के साथ चल रहा था। अचानक उसने उत्सुकता से पूछा —

पिता जी, क्या इस जंगल में ऐसी कोई चीज़ है जिससे हमें डरना चाहिए?

भैंसा मुस्कुराया और बोला — हाँ बेटा, बस शेर से सावधान रहना। जंगल का असली राजा वही है।

बछड़े ने हैरानी से कहा — मैंने सुना है वो बहुत खतरनाक होते हैं! अगर मुझे कभी शेर दिखा तो मैं तो भाग जाऊँगा!

भैंसा गंभीर होकर बोला —नहीं बेटा, भागना सबसे बड़ी गलती होगी।

बछड़ा चौंका —क्या! भागना गलती कैसे? अगर वो मुझे मार सकता है तो मैं अपनी जान क्यों न बचाऊँ?

भैंसा धीमी आवाज़ में बोला —अगर तुम भागोगे, तो शेर तुम्हारा पीछा करेगा। भागते हुए वो तुम्हारी पीठ पर झपटेगा और तुम गिर जाओगे। एक बार गिरे — तो फिर उठ नहीं पाओगे।

बछड़े की आँखें चौड़ी हो गईं —तो फिर मुझे क्या करना चाहिए?

भैंसा बोला —जब कभी शेर का सामना हो, तो अपनी जगह डटकर खड़े रहना। डर दिखाना नहीं। अपनी सींगें ऊँची करना, ज़मीन पर खुर पटकना, और अगर ज़रूरत पड़े तो पूरी ताक़त से उसकी ओर बढ़ जाना। याद रखना — डर के आगे जीत है।

बछड़ा थोड़ा घबरा गया —लेकिन अगर शेर पलट कर मुझ पर हमला कर दे तो?

भैंसा मुस्कुराया —बेटा, ज़रा अपने चारों तरफ देखो।

बछड़े ने सिर घुमाया — और देखा — चारों ओर ताकतवर भैंसें खड़ी थीं, उनकी साँसों से भाप निकल रही थी, और उनकी नज़रें साहस से भरी थीं।

भैंसा बोला —देखो बेटा, अगर तुम भागोगे तो हम कुछ नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर तुम खड़े रहोगे, तो हम सब तुम्हारे साथ खड़े रहेंगे। क्योंकि परिवार और दोस्त वही होते हैं जो मुश्किल वक्त में तुम्हारे पीछे खड़े रहें!

बछड़े की आँखों में चमक आ गई। उसने गहरी साँस ली और सिर झुका कर कहा —धन्यवाद, पिता जी। अब मैं कभी किसी शेर से नहीं डरूँगा।

और यही जीवन का सच है —हम सबकी ज़िंदगी में भी शेर होते हैं — परेशानियाँ, डर, नाकामियाँ, और असफलताएँ।

अगर हम उनसे भागते हैं तो वे हमारा पीछा करती हैं।

लेकिन अगर हम हिम्मत से उनका सामना करते हैं —तो पीछे हमारा परिवार और हमारे दोस्त हमारी सबसे बड़ी ताक़त बनकर खड़े रहते हैं।

इसलिए... भागो मत — डटकर खड़े रहो!

डर को देखो और कहो — मैं तैयार हूँ!

क्योंकि जब तुम साहस दिखाते हो — तुम्हारे अपने तुम्हारे साथ खड़े हो जाते हैं।

आज का इतिहास

1740 सैमुअल रिचर्डसन की लोकप्रिय और प्रभावशाली पत्रिका पामेला या सदाचार पुरस्कृत पुस्तक लंदन में प्रकाशित की गयी।
1792 जेमप्स की लड़ाई: फ्रेंच सेना पवित्र रोमन साम्राज्य को हरा दिया।
1850 येर्बा, ब्यूना, और एंजिल द्वीप (एसएफ़ बे) सैन्य उपयोग के लिए आरक्षित किया गया।
1856 अंग्रेजी लेखक जॉर्ज एलियट द्वारा पहला काम लिपिक जीवन के दृश्य, प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किया गया था।
1860 अब्राहम लिंकन अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति चुने गए।
1865 एपोमैटॉक्स कोर्टहाउस की लड़ाई को अमेरिकी गृहयुद्ध को प्रभावी रूप से समाप्त करने के महीनों बाद, सीएसएस शेनानडोआ ने ग्लोब ओना क्रूज पर प्रसारित होने के बाद आत्मसमर्पण करने वाली अंतिम कंफेडरेट मुकाबला इकाई बन गई, जिस पर उसने 38 जहाजों को डुबोया या कब्जा किया।
1869 पहले आधिकारिक अमेरिकी फुटबॉल खेल में, न्यू जर्सी के न्यू ब्रंसविक में रटगर्स कॉलेज ने न्यू जर्सी के कॉलेज को 6-4 से हराया।
1885 तीसरा आंग्ल और बर्मी युद्ध की शुरुआत हुई।
1915 द डेली ईस्टर्न न्यूज़ पेपर, ईस्टर्न इलिनोइस विश्वविद्यालय के छात्र संगठन के लिए प्रकाशित किया गया।
1917 अमरीकी आणविक उर्जा आयोग ने ऐमविटका द्वीप में सबसे बड़े भूमिगत हाइड्रोजन बम कैनिकन का परीक्षण किया।
1935 ब्रिटेन की लड़ाई में रॉयल एयर फोर्स की हवाई जीत के 60% के लिए जिम्मेदार विमान, हॉकर तूफान ने अपनी पहली उड़ान बनाई।
1936 ग्रेट ब्रिटेन में ब्रिटिश जीवनी फिल्म रेम्ब्रांड्ट का प्रीमियर हुआ।
1939 पोलिश बुद्धिशीलता को मिटाने की अपनी योजना के तहत, गेस्टापो ने क्राको में 184 प्रोफेसरों, छात्रों और जैजेलोनियन यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया।

वाशिंगटन में ब्लू वेव, तेल का खेल और भारतीय बाजार की दीवाली

अशोक भाटिया

अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के नतीजों ने न केवल वाशिंगटन के शक्ति संतुलन को उलट दिया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बिसात पर भी एक ऐसी हलचल पैदा कर दी है जिसका सीधा असर भारत के आम निवेशक की जेब और देश के राजकोष पर दिखने लगा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों सदनों में मिली करारी हार और डेमोक्रेटिक पार्टी की ब्लू वेव ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों को एक नया संदेश दिया है। अमेरिकी इतिहास के इस महत्वपूर्ण राजनैतिक उलटफेर के पीछे का सबसे बड़ा कारण ईरान युद्ध और उसके कारण उपजी अभूतपूर्व वैश्विक महंगाई को माना जा रहा है। अमेरिकी मतदाताओं ने युद्ध की इस राजनीति को नकारते हुए ट्रम्प प्रशासन को घरेलू मोर्चे पर घुटनों पर ला दिया है। लेकिन इस राजनैतिक पराजय का जो सबसे दिलचस्प और सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है, वह है वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों का अचानक क्रैश हो जाना और उसके फलस्वरूप भारतीय शेयर बाजार में समय से पहले ही दीवाली के पटाखों की तरह फूटती तेजी। यह घटनाक्रम साबित करता है कि समकालीन दुनिया में भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र किस कदर एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के आर्थिक गणित को समझने के लिए सबसे पहले कच्चे तेल और डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के अंतर्संबंधों का विश्लेषण करना जरूरी है। डोनाल्ड ट्रम्प के इस कार्यकाल का एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व में तनाव और ईरान के साथ सीधे टकराव में बीता, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला को बुरी तरह प्रभावित कर रखा था। युद्ध के बाद तेल की कीमतों में जो उछाल आया था, उसने पूरी दुनिया के साथ-साथ खुद अमेरिका के भीतर भी मुद्रास्फीति को बेलगाम कर दिया था। अब जब अमेरिकी संसद (कांग्रेस) पर डेमोक्रेट्स का पूर्ण नियंत्रण स्थापित हो चुका है, तो वाशिंगटन की आक्रामक विदेश नीति और युद्धप्रिय रुख पर एक मजबूत विधायी ब्रेक लग गया है। बाजार इस बात को अच्छी तरह समझ रहा है कि अब ट्रम्प प्रशासन मनमाने ढंग से युद्ध को और लंबा नहीं खींच पाएगा और न ही ऊर्जा बाजारों को अपनी शर्तों पर चला पाएगा। इसी राजनैतिक गतिरोध की संभावना ने तेल सटोरियों और वैश्विक तेल बाजार में एक भारी बिकवाली को जन्म दिया, जिससे कच्चे तेल की कीमतें औंधे मुंह गिर गईं। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी तेल जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, कच्चे तेल की कीमतों में आई यह गिरावट किसी दैवीय वरदान से कम नहीं है। कच्चे तेल की कीमतों का गिरना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक साथ कई मोर्चों पर संजीवनी का काम करता है, जिसका सीधा प्रतिबिंब दलाल स्ट्रीट पर देखने को मिल रहा है। जैसे ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम टूटे, भारतीय शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी, रिकॉर्ड ऊंचाई की तरफ दौड़ पड़े। बाजार की इस खुशी के पीछे ठोस आर्थिक तर्क हैं। जब कच्चा तेल सस्ता होता है, तो भारत का व्यापार घाटा तेजी से कम होता है और चालू खाता घाटा नियंत्रण में आ जाता है। इससे भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूत होता है। डॉलर की मजबूती और तेल की सस्ती दरों का सीधा मतलब यह है कि भारत को तेल आयात करने के लिए कम विदेशी मुद्रा खर्च करनी होगी, जिससे देश के राजकोषीय स्वास्थ्य में सुधार होगा। यही कारण है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जो पिछले कुछ समय से भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे थे, वे एक बार फिर भारतीय इक्विटी में बड़े पैमाने पर खरीदारी करने लौटे हैं। बाजार को यह भरोसा हो गया है कि आने वाले समय में भारत की विकास दर को वैश्विक मंदी के बाद भी एक मजबूत सहारा मिलने जा रहा है। इसके अतिरिक्त, भारतीय कॉरपोरेट जगत के लिए कच्चे तेल का सस्ता होना सीधे तौर पर उनकी उत्पादन लागत को कम करता है। भारत में पेंट, टायर, लुब्रिकेंट्स, लॉजिस्टिक्स, एविएशन और प्लास्टिक जैसे दर्जनों उद्योग सीधे तौर पर कच्चे तेल या उसके डेरिवेटिव्स पर निर्भर हैं। तेल की कीमतें घटने से इन कंपनियों के मार्जिन में भारी सुधार होने की उम्मीद जग गई है। जब परिवहन और माल ढुलाई की लागत कम होती है, तो इसका एक व्यापक असर देश के भीतर आम उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ता है। यानी, जो महंगाई पिछले कई महीनों से भारतीय रिजर्व बैंक और आम नागरिकों के लिए सिरदर्द बनी हुई थी, उसमें अब गिरावट आने के आसार हैं। यदि महंगाई दर नियंत्रण में आती है, तो इस बात की पूरी संभावना बढ़ जाती है कि केंद्रीय बैंक आने वाली तिमाहियों में ब्याज दरों में कटौती का फैसला ले सकता है। ब्याज दरों का कम होना उद्योगों के लिए कर्ज सस्ता करेगा और देश में निजी निवेश के एक नए चक्र की शुरुआत होगी।

'दिल्ली के लिए पनौती साबित हुए मेयर प्रवेश वाही'

नई दिल्ली: राजधानी में इमारतें गिरने और मलबे में दबकर लोगों की मौत होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। पिछले छह महीनों में छह बड़े हादसों में 23 लोगों की जान जा चुकी है। मई से नवंबर तक शायद ही कोई ऐसा महीना गुजरा हो, जब किसी इमारत के गिरने से लोगों की मौत न हुई हो। हैरानी की बात यह है कि एक तरफ हादसों में लोग जान गंवा रहे हैं, तो दूसरी तरफ दिल्ली नगर निगम के बिल्डिंग विभाग में अधिकारियों की तैनाती, तबादलों और कथित राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थिति यह है कि महापौर प्रवेश वाही के कार्यकाल में लगातार हो रहे हादसों को लेकर अब राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी के नेता घनेंद्र भारद्वाज ने इन घटनाओं को लेकर महापौर को सीधे निशाने पर लिया है और उन्हें दिल्ली के लिए 'पनौती' तक करार दिया है। ताजा मामला पांच नवंबर को पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार में निर्माणाधीन इमारत गिरने का है, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। इसी दिन निगम के सिटी-सदर पहाड़गंज जोन के बिल्डिंग विभाग में हुए एक तबादले ने नई चर्चा छेड़ दी। जानकारी के मुताबिक, बिल्डिंग-एक शाखा में तैनात सहायक अभियंता दीपक गुलाटी को बिल्डिंग-दो शाखा में ट्रांसफर कर दिया गया। एक ही जोन की दो शाखाओं के बीच हुए इस तबादले को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

आखिर ऐसी क्या प्रशासनिक आवश्यकता थी कि हादसे वाले दिन ही तबादला किया गया? निगम के अंदरखाने इस फैसले के पीछे एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के कथित हस्तक्षेप की चर्चा है। निगम की कार्यप्रणाली पर इसलिए भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि अवैध निर्माण रोकने और खतरनाक इमारतों की पहचान करने की जिम्मेदारी बिल्डिंग विभाग की है। इसके बावजूद लगातार हो रहे हादसे बताते हैं कि निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता की गंभीर समीक्षा जरूरी है। हादसों के बाद अधिकारियों को निलंबित करने और जांच के आदेश देने की कार्रवाई तो होती है, लेकिन ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए स्थायी व्यवस्था कितनी प्रभावी साबित हुई, इसका जवाब सामने नहीं आया है।




महापौर प्रवेश वाही

- महापौर के छह महीने के कार्यकाल में छह बड़े इमारत हादसे, 23 लोगों की मौत
- इमारतें गिरती रहीं, लोग मरते रहे और निगम में चलता रहा तबादलों का खेल
- चावड़ी बाजार हादसे के दिन ही बिल्डिंग विभाग के एई का तबादला, राजनीतिक हस्तक्षेप पर सवाल

छह महीनों में छह हादसे में हुई 23 लोगों की मौत

जानकारी के अनुसार, 30 मई को सैदुलाजाब में छह, आठ जुलाई को रोहिणी में तीन और 21 अगस्त को करोल बाग में एक व्यक्ति की मौत हुई। इसके बाद छह सितंबर को सत्य निकेतन में सात, सात अक्टूबर को सीमापुरी में चार और पांच नवंबर को चावड़ी बाजार में दो लोगों की जान चली गई। इन छह हादसों में कुल 23 लोगों की मौत का आंकड़ा सामने आया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या निगम ने इन घटनाओं के बाद संबंधित इलाकों में अवैध निर्माण और जर्जर इमारतों की व्यापक जांच कराई? कितने अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हुई और कितने मामलों में अंतिम कार्रवाई की गई?

दिल्ली नगर निगम में राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार पर उठाए सवाल

आम आदमी पार्टी के नेता घनेंद्र भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि दिल्ली नगर निगम में भ्रष्टाचार और नेताओं के हस्तक्षेप के कारण बिल्डिंग विभाग की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है। उन्होंने महापौर प्रवेश वाही पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में लगातार इमारत हादसे हो रहे हैं और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। निगम में अवैध निर्माण पर लगाम लगाने के बजाय अधिकारियों के तबादलों और तैनाती को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह महीनों में 23 लोगों की मौत बेहद गंभीर मामला है। महापौर को बताना चाहिए कि आखिर इन हादसों की जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने बिल्डिंग विभाग में तबादलों, कथित राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की।


घनेंद्र भारद्वाज

दिल्ली की हलचल

गंदे पानी की बोतलें लेकर किया विरोध प्रदर्शन



नई दिल्ली : पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में पिछले लगभग 6 महीनों से लोगों के घरों में पानी नहीं आने और कई स्थानों पर दूषित एवं बदबूदार पानी की आपूर्ति की शिकायतों को लेकर शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के पटपड़गंज विधानसभा अध्यक्ष डॉ. कुलदीप भंडारी के नेतृत्व में सैकड़ों स्थानीय निवासियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने दिल्ली सरकार के खिलाफ "दिल्ली सरकार मुर्दाबाद' के नारे लगाए। आक्रोशित नागरिकों ने मटके फोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया और हाथों में गंदे पानी की बोतलें लेकर सरकार की जल व्यवस्था पर सवाल खड़े किए।

डॉ. कुलदीप भंडारी ने कहा कि पटपड़गंज विधानसभा के अनेक परिवार पिछले छह महीनों से बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। लोगों को पीने और घरेलू उपयोग के लिए पानी खरीदना पड़ रहा है। कहीं पानी बिल्कुल नहीं आ रहा, तो कहीं दूषित पानी लोगों की मजबूरी बन गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार बड़े-बड़े वादे कर रही है, लेकिन पटपड़गंज की जनता को बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। आखिर आम जनता कब तक पानी के लिए परेशान होती रहेगी? डॉ. कुलदीप भंडारी ने दिल्ली सरकार से मांग की कि पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जनता की पानी की समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

रेलवे पुलिस ने मनाया 'दीपावली मिलन समारोह'



नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस रेलवे यूनिट की ओर से दीपावली के अवसर पर दीपावली मिलन समारोह सह संपर्क सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलिसकर्मियों के बीच आपसी भाईचारे, एकजुटता और टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बड़ा खाना भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ज्वाइंट सीपी (ट्रांसपोर्ट) रजनीश गुप्ता और डीसीपी (रेलवे) बी. भारत रेड्डी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों की मेहनत, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें पूरी ईमानदारी, लगन और पेशेवर तरीके से अपनी जिम्मेदारियां निभाते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। आयोजित संपर्क सभा में अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों से उनकी समस्याएं और सुझाव साझा किए। वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके सुझावों और समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन पर उचित ध्यान देने का भरोसा दिया। डीसीपी भारत रेड्डी ने दोहराया कि रेल यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पार्षद कार्यालय पर लगा हाउस टैक्स कैंप



नई दिल्ली: कर्दमपुरी वार्ड से निगम पार्षद मुकेश बंसल की ओर से वार्ड में हाउस टैक्स कैंप लगाया गया। कैंप में 200 से अधिक लोगों ने पहुंचकर हाउस टैक्स संबंधी समस्याओं का समाधान कराया। लोगों ने सबसे पहले अपने टैक्स में आई कमियों को ठीक कराया और उसके उपरांत टैक्स जमा किया। कैंप का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच जाकर दिल्ली नगर निगम के हाउस टैक्स संबंधी जानकारी देकर उन्हें टैक्स में छूट का लाभ दिलाना था। निगम पार्षद मुकेश बंसल ने बताया कि अभी सात साल का बकाया टैक्स जमा करने पर कोई भी ब्याज या जुर्माना नहीं लिया जा रहा है। इसी मकसद से लगातार निगम द्वारा कैंप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि क्षेत्र में लोगों को टैक्स संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े। साथ ही कहा कि लोगों को निगम छूट का लाभ उठाना चाहिए।

बस ने साइकिल सवार को रौंदा, हालत नाजुक

पूर्वी दिल्ली: ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के न्यू अशोक नगर इलाके में एक तेज रफ्तार डीटीसी (देवी) बस ने साइकिल सवार गैस एजेंसी कर्मी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक के बाएं पैर में गंभीर चोट आई है। साइकिल बस के अगले पहिए के नीचे आकर पूरी तरह चकनाचूर हो गई। पुलिस ने पीड़ित युवक को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने घायल युवक की पहचान हरीश चंद्र के रूप में की है। वह हरदोई, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। आठ साल से गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में किराए पर रहता है। वह एक गैस एजेंसी पर सिलेंडर सप्लाई का काम करता है। फिलहाल पुलिस आगे मामले की जांच कर रही है।

देवदूत बनी ट्रैफिक पुलिस, युवक को बचाया

नई दिल्ली: दिल्ली हाट के पास एक बाइक से अचानक धुआं निकलने लगा। बाइक सवार कुछ समझ पाता, उससे पहले ही मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी मदद के लिए पहुंच गए। उन्होंने तुरंत बाइक सवार को सुरक्षित जगह पहुंचाया और पास के पेट्रोल पंप से अग्निशमन यंत्र लेकर बाइक से निकल रहे धुएं पर काबू पाया। पुलिसकर्मियों की समझदारी और तेजी से एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, 5 नवंबर को हर्षित मित्तल (28) बजाज पल्सर बाइक से एनएसपी से कोहाट की तरफ जा रहे थे। जब वह दिल्ली हाट के पास पेट्रोल पंप के सामने पहुंचे तो अचानक उनकी बाइक से धुआं निकलने लगा। यह देखकर मौके पर तैनात अशोक विहार ट्रैफिक सर्कल के पुलिसकर्मी तुरंत हरकत में आ गए। डीसीपी ट्रैफिक नॉर्दर्न रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल के मार्गदर्शन और इंस्पेक्टर कमल कोहली की निगरानी में एएसआई अशोक, हेड कांस्टेबल मनमोहन और कांस्टेबल सन्नी ने सबसे पहले बाइक सवार को सुरक्षित दूरी पर पहुंचाया। इसके बाद पास के पेट्रोल पंप से अग्निशमन यंत्र मंगवाकर स्थिति को संभाला। पुलिसकर्मियों ने तुरंत 112 नंबर पर भी सूचना दी। बाइक पेट्रोल पंप के पास खड़ी थी। ऐसे में धुआं निकलने की घटना बड़ी आग का रूप ले सकती थी। लेकिन पुलिसकर्मियों ने बिना देर किए कार्रवाई की और बाइक सवार को सुरक्षित बचा लिया। उनकी इस तत्परता से संभावित बड़ा हादसा टल गया। यह घटना दिखाती है कि ट्रैफिक पुलिसकर्मी सड़क पर केवल यातायात संभालने ही नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर लोगों की मदद के लिए भी हमेशा तैयार रहते हैं।

मिलावटखोरों पर रेखा सरकार सख्त मिठाई की दुकानों-डेयरियों पर छापेमारी

40 नमूने लिए, आठ प्रतिष्ठानों को नोटिस, मंडोली एक्सटेंशन की डेयरी में करीब 100 किलो दूषित खाद्य सामग्री नष्ट

नई दिल्ली: दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान लोगों को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार का खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में विभाग की टीमों ने उत्तर-पूर्वी, पूर्वी, शाहदरा, दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में मिठाई की दुकानों, डेयरियों और खाद्य पदार्थ बनाने वाली इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान मिठाइयों और दुग्ध उत्पादों सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 40 नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। वहीं, मंडोली एक्सटेंशन स्थित एक डेयरी में करीब 100 किलोग्राम मानव उपभोग के अयोग्य खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई। विभाग की टीमों ने उत्तर-पूर्वी, पूर्वी और शाहदरा क्षेत्रों में की गई जांच के दौरान खोया, पनीर, घी, कलाकंद, लड्डू, गुलाब जामुन और ड्राई फ्रूट गिफ्ट पैक सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के 22 नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान मंडोली एक्सटेंशन की एक डेयरी में दुर्गंधयुक्त खोया, रसगुल्ले तथा मच्छरों और मक्खियों से दूषित दूध पाया गया। विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए करीब 100 किलोग्राम ऐसी खाद्य सामग्री नष्ट की, जो खाने योग्य नहीं थी।





लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी सरकार : सीएम रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि त्योहारों की खुशियां तभी सार्थक हैं, जब हर परिवार तक पहुंचने वाली खाद्य सामग्री शुद्ध, सुरक्षित और स्वास्थ्य के अनुकूल हो। खाद्य पदार्थों में मिलावट, दूषित सामग्री की बिक्री और स्वच्छता मानकों की अनदेखी सीधे लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है। दिल्ली सरकार इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। मिठाई की दुकानों, डेयरियों और खाद्य निर्माण इकाइयों की नियमित जांच की जाए।

दक्षिण व दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में 12 प्रतिष्ठानों की जांच

त्योहारों को ध्यान में रखते हुए दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में भी विशेष अभियान चलाया गया। इसके तहत मिठाई की दुकानों और निर्माण इकाइयों सहित 12 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। यहां से लड्डू, बर्फी, कलाकंद, रसगुल्ला, खोया, छेना, पनीर, घी और स्किम्ड मिल्क पाउडर के 18 नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। इसके अतिरिक्त, निहाल विहार स्थित एक मिठाई निर्माण इकाई के संबंध में मिली शिकायत पर भी कार्रवाई की गई।

स्वच्छता मानकों में कमी पर कार्रवाई की तैयारी

निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई और स्वच्छता से जुड़े निर्धारित मानकों के प्रावधानों के अनुपालन की भी जांच की गई। जहां कमियां पाई गईं, वहां सुधारात्मक कार्रवाई के लिए कुल आठ प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किया गया। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि खाद्य नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट और निरीक्षण में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'जहरीली हवा पर सुप्रीम फटकार के बाद भी सरकार के कदम बेअसर'



नई दिल्ली : दिल्ली में वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर पर पहुंचने और एक्यूआई 400 के पार होने को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राजधानी की हवा जहरीली हो चुकी है और दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील हो गई है, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार की शीतकालीन कार्य योजना प्रदूषण पर लगाम लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में शुक्रवार को इंटक कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने भी दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रदूषण से बचाव के लिए लोगों को सावधानी बरतने की चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदूषण रोकने के लिए सरकार और अधिकारियों की ओर से उठाए गए कदम प्रभावी साबित नहीं हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने के बजाय केवल योजनाओं और घोषणाओं तक सीमित है। बैठक में इंटक के चेयरमैन चौधरी जिले सिंह, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष ऋषि पाल, प्रदेश महामंत्री सत्यव्रत पुनिया, ओमपाल बट्टू, करण, किशन यादव, सुभाष चंद्र, मनोज विद्रोही, संजीव, श्याम सुंदर, नितिन कपिल और मोहित अवाना सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछली आम आदमी पार्टी सरकार और मौजूदा भाजपा सरकार प्रदूषण के लिए मुख्य रूप से पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराती रही हैं, जबकि दिल्ली कांग्रेस लगातार वाहनों से निकलने वाले धुएं और निर्माण कार्यों के साथ टूटी सड़कों से उड़ने वाली धूल को राजधानी में प्रदूषण का प्रमुख कारण बताती रही है। दिल्ली-एनसीआर में रेंगता यातायात और भारी वाहनों से होने वाला उत्सर्जन भी जहरीली हवा के लिए बड़ी वजह है।

'दिल्ली की दिवाली-सबसे निराली-मिलकर मनाने वाली' उत्सव का आगाज

नई दिल्ली।

खुशियों से भरी दिवाली का आयोजन दिल्ली पर्यटन एवं दिल्ली सरकार द्वारा दिवाली के पावन पर्व के उत्साह को साझा करने के उद्देश्य से "दिल्ली की दिवाली - सबसे निराली-मिलकर मनाने वाली" उत्सव का आयोजन 6 एवं 7 नवंबर, 2026 को कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क, नई दिल्ली में किया जा रहा है। इस उत्सव में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, शिक्षा मंत्री आशीष सूद, कैबिनेट मंत्री, रविन्द्र इंदर राज, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, प्रबंध निदेशक दिल्ली पर्यटन सुनील अंचिपक्का एवं अन्य अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

दो दिवसीय, दिल्ली की दिवाली उत्सव के आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेगा ड्रोन शो, भजन क्लबिंग तथा आकर्षक नकद पुरस्कारों वाली प्रतियोगिताएं आयोजित की गई ।

मेगा ड्रोन शो बना आकर्षण का केन्द्र



फोटो : मिहिर सिंह

दिल्ली पर्यटन द्वारा तीन विशेष सोशल मीडिया प्रतियोगिताओं 'आरडब्ल्यूए रंगोली, "शूट एंड शाइन" एवं रील बनाने की प्रतियोगिताओं के माध्यम से दिल्लीवासियों व फोटोग्राफी के शौकीनों और कंटेंट क्रिएटर्स को अपनी रचनात्मक कला प्रदर्शित करने तथा दीपावली की खुशियों को अनूठे अंदाज में साझा करने का अवसर है, जिसमें 9 अक्टूबर दोपहर 2 बजे तक हिस्सा लिया जा सकता है। इच्छुक प्रतिभागी प्रतियोगिताओं से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं भागीदारी के दिशा-निर्देशों के लिए दिल्ली पर्यटन के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल को फॉलो किया जा सकता हैं। जगमग करती हुई दिवाली में ड्रोन शो के द्वारा दिवाली की कहानी को दर्शाया गया।

इस भव्य आयोजन के माध्यम से दिल्ली पर्यटन का उद्देश्य दीपावली के उत्सवी उल्लास को बढ़ावा देना, सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना, लोगों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना तथा दिल्ली को सांस्कृतिक एवं पारंपरिक उत्सवों के एक जीवंत पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना है। कल दिवाली उत्सव में महा आरती, ड्रोन शो ओर भजन क्लबिंग का आनंद लिया जा सकेगा।

इस्कॉन द्वारका दिल्ली में दीपावली महोत्सव

नई दिल्ली : दीपावली का पर्व आपके जीवन में समृद्धि, खुशहाली और उल्लास लेकर आ रहा है। इसकी तैयारियां घर-बाहर, मंदिर, ऑफिस, बाजार चारों ओर देखने को मिल रही है। सजावट के सामान के साथ-साथ दीयों की खरीदारी पर जोर दिया जा रहा है क्योंकि कार्तिक मास के पावन अवसर पर दीपदान का विशेष महत्व होता है। इस्कॉन द्वारका दिल्ली में दीपावली के इस पावन पर्व पर रंगोली और दीपदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। दीपावली के दिन हजारों की संख्या में लोग इसमें भाग लेंगे। दीपदान के माध्यम से वे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम को याद करते हैं और उनकी प्रसन्नता में दीप जलाते हैं, जैसे अयोध्यावासियों ने श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के बाद पुनः अयोध्या में आने पर प्रसन्नता के दीप जलाए थे। ये दीप प्रतीक हैं प्रसन्नता, समृद्धि और इस विश्वास के कि भगवान राम एक रक्षक की भाँति हर संकट में हमारी सहायता करेंगे।

ऑनलाइन दुनिया में भी बेखौफ रह सकेंगी राजधानी की बेटियां

नई दिल्ली: महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित रखने के लिए दिल्ली पुलिस के आउटर नॉर्थ जिले ने डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में नई पहल करते हुए 'ई-निर्भीक" कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस पहल के तहत महिलाओं और छात्राओं को साइबर अपराध, ऑनलाइन उत्पीड़न और डिजिटल माध्यम से होने वाले अपराधों के प्रति जागरूक करने के साथ उनसे बचाव के तरीके भी बताए जाएंगे। शुक्रवार को रोहिणी सेक्टर-19 स्थित एनसीसी भवन में आयोजित महिला सुरक्षा कार्यक्रम में स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर जोन-1 देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने इस पहल का शुभारंभ किया। इस दौरान ज्वाइंट सीपी विजय सिंह, डीसीपी शोभित डी. सक्सेना और एडिशनल डीसीपी लोकेश्वरन आर. आदि मौजूद रहे।



महिलाओं व बच्चियों को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस के परिवर्तन सेल की ओर से आत्मरक्षा का प्रदर्शन किया गया। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक करीब 50 हजार महिलाओं और बच्चों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इनमें सर्वोदय कन्या विद्यालय, बादली की 509 छात्राएं भी शामिल हैं, जिन्हें 15 दिन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। महिला एवं बाल सुरक्षा की दिशा में आउटर नॉर्थ जिले की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने ऑपरेशन मिलाप के तहत 116 लापता नाबालिग बच्चों को तलाशकर उनके परिवारों से मिलाया है।

हर मोर्चे पर चमके संजय त्यागी अब एसीबी की संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली पुलिस में अपने लंबे अनुभव, कार्यशैली और प्रशासनिक कुशलता से अलग पहचान बनाने वाले 2008 बैच के आ ई पी ए स अधिकारी संजय त्यागी को अब एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) की कमान सौंपी गई है। गुरुवार को उन्हें एसीबी का नया संयुक्त आयुक्त नियुक्त किया गया। पुलिसिंग से लेकर प्रशासन और मीडिया समन्वय तक का अनुभव रखने वाले त्यागी के लिए यह एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। संजय त्यागी उन अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्होंने दिल्ली पुलिस में अलग-अलग पदों पर रहते हुए अपनी कार्यक्षमता साबित की है। वह दो बार दिल्ली पुलिस के आधिकारिक प्रवक्ता की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल बनाने के साथ पुलिस की आधिकारिक जानकारी को आम लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। संवाद और समन्वय की उनकी क्षमता को उनके कार्यानुभव का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।


संजय त्यागी

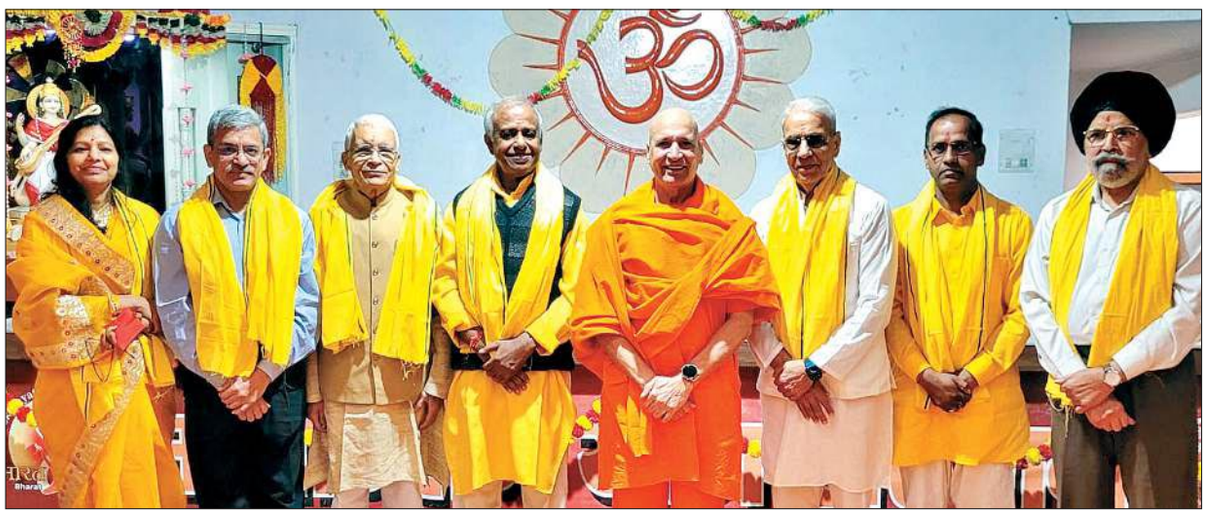
मिल चुके हैं बड़े सम्मान

पुलिस सेवा में योगदान के लिए त्यागी को वर्ष 2015 में पुलिस मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस से सम्मानित किया गया। वहीं, वर्ष 2023 में उन्हें विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से नवाजा गया। अब एसीबी में उनके सामने भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच को प्रभावी बनाने और कार्रवाई में तेजी लाने की चुनौती होगी। उनके व्यापक अनुभव और प्रशासनिक समझ से इस महत्वपूर्ण शाखा के कामकाज को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आधुनिक धन्वंतरि होते चिकित्सक: स्वामी भारत भूषण

पद्मश्री ने मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान की ओर से वरिष्ठ चिकित्सकों को सम्मानित किया

वेब वार्ता । सहारनपुर



भगवान धन्वंतरि की कहानी देवासुर संग्राम तक ही सिमट कर रह जाने वाली घटना नहीं है। जब तक मनोकाय रोग रहेंगे, तब तक मानवता को इस अवतार की आवश्यकता बनी ही रहेगी। जैसे माता-पिता धरती पर भगवान हैं, उसी तरह मानवता को रोगों से उबारने में दिन-रात लगे चिकित्सक आज के धन्वंतरि ही हैं, भले ही वे किसी भी पद्धति के हों।

यह बातें मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान में आयोजित धन्वंतरि जयंती पर विविध चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों का सत्कार करते हुए पद्मश्री स्वामी डॉ. भारत भूषण ने कही। उन्होंने कहा कि आक्रांताओं के हमलों और अज्ञानता के कारण आयुर्वेद के लुप्तप्राय हो जाने पर भी भगवान धन्वंतरि ने आधुनिक चिकित्सा पद्धति के रूप में नित नए शोधों के साथ महर्षि चरक और सुश्रुत की परंपरा को जीवंत बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि निरोगी स्वस्थ जीवन ही धन है और आधुनिक धन्वंतरि चिकित्सक हैं। उन्होंने संस्थान की ओर से प्रसिद्ध आयुर्वेद सर्जन डॉ. विनोद गुप्ता, यूरोलॉजिस्ट डॉ. शरद अग्रवाल, वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. सुदर्शन नागपाल व डॉ. अशोक गुप्ता, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वर्णजीत सिंह, पीड़ा निवारण विशेषज्ञ डॉ. वर्षा अग्रवाल और डॉ. राम केवल यादव को तिलक, अक्षत व अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. विनोद गुप्ता ने धन्वंतरि की परंपरा को अद्यतन बनाए रखने में ज्ञान-विज्ञान की नगरी काशी के योगदान को सराहा। उन्होंने बताया कि विदेशों में भी सर्जरी के जनक महर्षि सुश्रुत की प्रतिमाएं स्थापित की जाने लगी हैं। उन्होंने आज की जीवन शैली में स्वस्थ वृत्त के सूत्र भी बताए। वरिष्ठ साधक नन्द किशोर शर्मा व ललित वर्मा के कुशल संयोजन में हुए कार्यक्रम में डॉ. शरद अग्रवाल ने बताया कि यह आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के गहरे रिश्ते का प्रमाण है कि हम गंभीर रोगों को भी लाइफ स्टाइल डिजीजेज के रूप में देखने के कारण ही सफल हो पा रहे हैं। डॉ. स्वर्णजीत सिंह ने चिकित्सा विज्ञान को धन्वंतरि की नजर से देखने के लिए जीवन मूल्यों पर चलने का साहस करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. सुदर्शन नागपाल, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. वर्षा अग्रवाल और डॉ. आर. के. यादव ने भी अपने संक्षिप्त संबोधनों में अपने सौभाग्य को सराहा कि ईश्वर ने चिकित्सा विज्ञान से जुड़कर सेवा करने के लिए चुना। सभी चिकित्सकों ने यहां उपस्थित वरिष्ठ साधक हेमंत अरोरा, अमर नाथ, ऋषिपाल सिंह, मुकेश शर्मा, पूनम वर्मा, नन्द किशोर शर्मा आदि सहित मोक्षायतन योगाश्रम साधक परिवार के साथ भगवान धन्वंतरि की स्तुति और आरती की। आयुर्वेदिक प्रसाद ग्रहण करके सर्व कल्याण शंख उद्घोष से कार्यक्रम का समापन किया गया।

एक्ट की पूर्ण वापसी तक जारी रहेगा विरोधः महासंघ

वेब वार्ता । नकुड़ (सहारनपुर)



राष्ट्रवादी ब्राह्मण महासंघ के पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रोहित कौशिक ने यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन एक्ट 2026 को लेकर कहा कि जब तक इस रेगुलेशन को पूरी तरह वापस नहीं लिया जाता, तब तक हमारा लोकतांत्रिक विरोध जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार कमेटी बनाने और समीक्षा करने के नाम पर मामले को लंबित रखने के बजाय स्पष्ट निर्णय ले और तत्काल प्रभाव से इस रेगुलेशन को पूरी तरह वापस लेने की दिशा में कार्रवाई करे। समीक्षा और कमेटी गठन के नाम पर समय बर्बाद न किया जाए।

रोहित कौशिक ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में समानता, पारदर्शिता और न्याय का संरक्षण होना चाहिए। किसी भी नियम या कानून के निर्माण में सभी वर्गों के विद्यार्थियों के अधिकारों, भविष्य और हितों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है। विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े विषयों पर किसी भी प्रकार की अनिश्चितता उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमारी मांग स्पष्ट है, यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन एक्ट 2026 की पूर्ण वापसी। इस मांग को लेकर शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से आवाज उठाई जाती रहेगी।

रैगिंग के आरोपों के बीच के बीटेक छात्र की मौत

- पत्रकार पुत्र 18 वर्षीय हर्ष की मौत से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

वेब वार्ता । नानौता (सहारनपुर)

गाजियाबाद के एक कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे नानौता निवासी 18 वर्षीय छात्र हर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। परिजनों ने कॉलेज में रैगिंग किए जाने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि रैगिंग की घटना के बाद से छात्र मानसिक रूप से परेशान था। शुक्रवार सुबह कॉलेज परिसर में हुई घटना के बाद उसकी मौत हो गयी। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक हर्ष नानौता निवासी वरिष्ठ पत्रकार अरविंद सिसोदिया का पुत्र था। वह गाजियाबाद स्थित आरके गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में बीटेक प्रथम वर्ष का छात्र था।

परिजनों के अनुसार, गुरुवार रात कॉलेज के सात-आठ छात्रों ने कथित रूप से उसके साथ रैगिंग की थी। आरोप है कि इस घटना के बाद से हर्ष काफी परेशान था।

शुक्रवार सुबह करीब पौने आठ बजे कॉलेज परिसर में हुई घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे बचाया नहीं जा सका। घटना के बाद कॉलेज प्रशासन की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई। कॉलेज के डीन हरिगोपाल गर्ग एवं डायरेक्टर बीसी शर्मा ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि रैगिंग के आरोपों की जांच कराई जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने वाले छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें कॉलेज से निष्कासित किया जाएगा। उधर, हर्ष की असामयिक मौत की खबर से नानौता में शोक का माहौल है। बड़ी संख्या में पत्रकारों, गणमान्य लोगों एवं परिचितों ने वरिष्ठ पत्रकार अरविंद सिसोदिया के आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। महज 18 वर्ष की उम्र में बेटे को खोने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

शुगर मिल ने किया पेराई सत्र का शुभारंभ



- भाकियू तोमर के कार्यकर्ता हुए आग बबूला

वेब वार्ता । नागल

गांव गांगनोली स्थित बजाज शुगर मिल पर क्षेत्र के किसानों का गत वर्ष का करीब 75 करोड़ रुपए बकाया होने के बाद शुगर मिल ने पूरे विधि-विधान एवं सज-धज कर आगामी पेराई सत्र का शुभारंभ कर दिया। शुगर मिल के शुभारंभ की सूचना मिलते ही किसान संगठन भाकियू तोमर के कार्यकर्ता आग-बबूला हो गए और उन्होंने सरकार को किसान विरोधी बताते हुए शुक्रवार दोपहर कस्बे के बस अड्डे पर सरकार सहित शुगर मिल का पुतला दहन करने की चेतावनी दे डाली।

सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम यादव सहित इंटेलिजेंस विभाग के कर्मचारी भी सतर्क हो गए और कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास करने लगे। शुक्रवार दोपहर कस्बे के रेलवे रोड स्थित संगठन के युवा जिला अध्यक्ष सौरभ त्यागी के कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर सहित कार्यकर्ता इकट्ठा होकर पुतला दहन करने की तैयारी करने लगे। थाना प्रभारी राधेश्याम यादव भी पुलिस वालों के साथ मौके पर पहुंच गए और शुगर मिल के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाकर बकाया भुगतान को लेकर वार्ता कराई गई। करीब एक घंटा चली वार्ता के बाद शुगर मिल के एजीएम चंद्रवीर सिंह के गत वर्ष का बकाया भुगतान करीब 75 करोड़ रुपए 30 नवंबर तक करने के लिखित आश्वासन पर समझौता करते हुए पुतला दहन करने का कार्यक्रम स्थगित कराया गया।

बताते चलें कि गत अक्टूबर माह में जिलाधिकारी अरविंद चौहान ने जनपद के चीनी मिलों पर किसानों के बकाया भुगतान को लेकर समीक्षा के दौरान सबसे अधिक बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल गांगनोली पर 88 करोड़ रुपए होने को लेकर यूनिट हेड रामवीर सिंह खोखर को फटकार लगाई थी। इस दौरान सचिन चौधरी, नीरज राणा, अलीम अहमद, देवेंद्र त्यागी, सनोज, विशु, सोनू, मनोज, नौशाद, परवेज आदि मौजूद रहे।

साहित्यकार सुरेन्द्र को मिला अष्टावक्र साहित्य श्रीसम्मान

सहारनपुर। दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु समर्पित राष्ट्रीय संस्था विकलांग ट्रस्ट ने सहारनपुर के साहित्यकार सुरेन्द्र कुमार को 'अष्टावक्र साहित्य श्री सम्मान-2026' से अलंकृत किया है। यह सम्मान उन्हें उनकी साहित्यिक साधना, समाज की विसंगतियों, मानवीय सरोकारों तथा देश-काल की परिस्थितियों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति के लिए प्रदान किया गया। ज्योतिर्मय अष्टावक्र महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित समारोह में यह प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र में कहा गया है कि दिव्यांगत प्रतिभा की सीमा नहीं, अपितु अदम्य संकल्प, गहन संवेदनाओं और मौलिक सृजन की प्रेरणाशक्ति बन सकती है। उनकी रचनाएं समाज के समग्र दर्पण बनकर जीवन के यथार्थ और मानवीय मूल्यों की बोध कराती रही हैं। समारोह में ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णुकांत मिश्र, आईसीएएस (सेवानिवृत्त) सुनील श्रीवास्तव तथा पूर्व दिव्यांगजन उपायुक्त उप्र / संयुक्त निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं कुल सचिव, डॉ. शकुंतल मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय अखिलेंद्र कुमार के हस्ताक्षर से सम्मान प्रदान किया गया।

खाकी को शर्मसार करने वाले मामले में, अदालत का बड़ा फैसला

दो तत्कालीन पुलिस अधिकारियों को 20-20 साल की सजा, एक-एक लाख का जुर्माना

वेब वार्ता । सहारनपुर



जिस खाकी पर जनता की सुरक्षा और महिलाओं को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी है, उसी वर्दी से जुड़े दो तत्कालीन पुलिस अधिकारियों को अदालत ने गंभीर अपराध में दोषी ठहराते हुए 20-20 साल की सजा सुनाई है। सहारनपुर की फास्ट ट्रैक कोर्ट (अपर जिला जज) के इस फैसले से पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। मामला देवबंद कोतवाली में वर्ष 2015 का है। जानकारी के मुताबिक, एक महिला अपने पति की गिरफ्तारी के सिलसिले में देवबंद थाने पहुंची थी। इसी दौरान तत्कालीन एसएचओ बृजमोहन यादव और इंस्पेक्टर वेगपाल सिंह पर महिला के साथ गंभीर अपराध का आरोप लगा था। मामले में सीबीसीआईडी की रिपोर्ट के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ और लंबी कानूनी लड़ाई चली। करीब 11 साल 3 महीने तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद अदालत ने दोनों को दोषी करार देते हुए 20-20 साल के कारावास और एक-एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। बताया जा रहा है कि एक आरोपी सीओ के पद से रिटायर्ड हुआ और दूसरा इंस्पेक्टर के पद से रिटायर्ड हुआ। दोनों को मिली सजा का यह फैसला पुलिस व्यवस्था के लिए भी बड़ा संदेश है। एक तरफ पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी, महिला सुरक्षा, मिशन शक्ति और कानून व्यवस्था के लिए लगातार अभियान चलाती है, वहीं दूसरी तरफ वर्दी की आड़ में अपराध करने वालों को भी कानून के कठघरे में खड़ा होना पड़ता है। पुलिस महकमे की साख ईमानदार और जवाबदेह कार्यशैली से ही कायम रहती है। 11 साल बाद आया यह फैसला साफ संदेश देता है कि कानून से ऊपर कोई नहीं, चाहे वह आम नागरिक हो या पुलिस की वर्दी पहनने वाला अधिकारी।

इंटर कॉलेज में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन



- विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा, मूल्यांकन के लिए विद्यालय की पांच सदस्यीय निरीक्षण टीम गठित

वेब वार्ता । गागलहेड़ी (सहारनपुर)

पी.जी. पायस इंटर कॉलेज में दीपावली के पर्व के उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, उमंग और ऊर्जा के साथ प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी कक्षाओं को सुंदर रंगोलियों, रंग-बिरंगे गुब्बारों एवं आकर्षक सजावटी रंगों से सजाया। पूरे विद्यालय परिसर में दीपावली से पहले ही उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिला।

प्रतियोगिता के परिणाम जूनियर एवं सीनियर विंग के आधार पर घोषित किए गए। सीनियर विंग में कक्षा 11 (विज्ञान वर्ग) ने प्रथम, कक्षा 10 ने द्वितीय तथा कक्षा 8 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, जूनियर विंग में कक्षा 5 ने प्रथम, कक्षा 4 ने द्वितीय तथा कक्षा 2 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन एवं मूल्यांकन के लिए विद्यालय की पांच सदस्यीय निरीक्षण टीम गठित की गई, जिसमें मनीष, मीनाक्षी, बबली एवं सारिका शर्मा शामिल रहे। टीम ने रंगोली की सुंदरता, रंगों के संयोजन, रचनात्मकता, स्वच्छता एवं सामूहिक प्रयासों के आधार पर मूल्यांकन किया। विजेता कक्षाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलदीप, मुकुल, उम्मेद, दीपक, अजय, मेनका यादव, सपना धीमान, मोनिका, चाहत एवं सलोनी नायडू उपस्थित रहे।

प्रधानाचार्य मनोज यादव एवं सचिव हर्षित गर्ग ने कहा कि इस प्रकार की सह-शैक्षणिक गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनसे विद्यार्थियों में कलात्मक कौशल, कल्पनाशक्ति, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है।

लोकल फॉर वोकल प्रदर्शनी में उमड़े लोग



वेब वार्ता । सहारनपुर

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम के तहत महानगर में देहरादून रोड पर भव्य 'लोकल फॉर वोकल' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों द्वारा बनाए गए बेहतरीन स्वदेशी उत्पादों के विभिन्न स्टॉल लगाए गए। प्रदर्शनी में पहुंचे अतिथियों ने विभिन्न स्टॉल्स का आत्मीयता से निरीक्षण किया और स्थानीय कारीगरों व उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों को देखा। हस्तशिल्प से लेकर पारंपरिक कलाकृतियों तक, हर उत्पाद में कारीगरों की कड़ी मेहनत और विशिष्टता साफ झलक रही थी। इस शानदार हुनर को बढ़ावा देने और उनका उत्साहवर्धन करने के लिए अतिथियों ने भी कुछ उत्पादों की खरीदारी की। आयोजकों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने में इस तरह की प्रदर्शनियां बहुत बड़ा माध्यम हैं। इससे स्थानीय कलाकारों और लघु उद्यमियों को सीधे ग्राहकों से जुड़ने का अवसर मिलता है। प्रदर्शनी में आये लोगों से अपील की गई कि वे इस प्रदर्शनी में जरूर आये और स्थानीय भाई-बहनों के उत्पादों को खरीदकर उनके त्योहारों और जीवन को खुशियों से रोशन करें। स्वदेशी अपनाएं और अपने जनपद के हुनर को वैश्विक पहचान दिलाएं, यही इस प्रदर्शनी का मुख्य संदेश रहा।

निर्वाचन व्यय दरों के निर्धारण को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक संपन्न



वेब वार्ता । सहारनपुर

आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत निर्वाचन व्यय दरों के निर्धारण को लेकर कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में बैठक आयोजित की गई।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी लवी त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव प्रचार में प्रयुक्त सामग्री एवं सेवाओं की दरों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सलिल कुमार पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में प्रचार सामग्री, बैनर, झंडे, पोस्टर, होर्डिंग, कटआउट, लाउडस्पीकर, टेंट, मंच, फर्नीचर, वाहन, खान-पान, समाचार पत्रों में विज्ञापन सहित अन्य व्यवस्थाओं की दरों पर चर्चा की गई। बाजार दरों के आधार पर तैयार की गई दर सूची राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यय निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि दर सूची से प्रत्याशियों के व्यय लेखों का परीक्षण एवं मिलान पारदर्शी होगा।

बैठक में मुख्य कोषाधिकारी सूरज कुमार, जिला खाद्य विपणन अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव, एआरटीओ मानवेंद्र प्रताप सिंह सहित भाजपा, अपना दल (एस), सपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं ने विद्यालय में मनायी दीपावली



वेब वार्ता । नकुड़ (सहारनपुर)

आर एन टैगोर विद्या पीठ इंटर कॉलेज में धनतेरस, दीपावली व गोवर्धन पूजा के मद्देनजर विद्यालय में छात्र-छात्राओं ने रंगोली बनाकर तथा अपनी-अपनी कक्षाओं को सजाकर दीपावली मनायी। विद्यालय परिसर में रंग-बिरंगी रंगोलियों और सजावट से उत्सव का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर प्रबंधक चंद्र शेखर मित्तल ने त्यौहार का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि दीपावली प्रकाश, खुशहाली और आपसी भाईचारे का पर्व है। हमें शांति व्यवस्था के साथ तथा मिल-जुल कर त्योहार को मनाना चाहिए। उन्होंने बच्चों को प्रेम, एकता और सद्भाव के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य अशोक कुमार, अर्चना गुप्ता व सत्यम मित्तल तथा समस्त स्टाफ ने भी छात्र-छात्राओं को दीपावली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता और मेहनत की सराहना की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बच्चों में भी दीपावली को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

अयोध्या में सरयू तट को जगमगाएंगे गौशाला में निर्मित गोबर के दीये

वेब वार्ता । सहारनपुर



अयोध्या में सरयू नदी का तट और राम की पैड़ी नगर निगम द्वारा गोबर से निर्मित इको फ्रेंडली दीयों से जगमगाएंगी, वहीं सरयू की धारा में भी ये दीये तैरते नजर आएंगे। महापौर डॉ. अजय कुमार ने आज अयोध्या भेजने के लिए दीयों की एक खेप औपचारिक रूप से गौशाला प्रभारी डॉ. संदीप मिश्रा को सौंपी। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति सहित देश की अनेक हस्तियों को भी इन विशेष दीयों की खेप भेजी गई है।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि नगर निगम की इस पहल का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ दीपावली और गौवंश के संवर्द्धन को प्रोत्साहित करना है। गौशाला प्रभारी डॉ. संदीप मिश्रा ने बताया कि नगर निगम द्वारा संचालित 'माँ शाकंभरी कान्हा उपवन गौशाला' में गाय के शुद्ध गोबर से विशेष और पर्यावरण-अनुकूल दीये निर्मित किए गए हैं। इन दीयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ये पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल हैं, उपयोग के पश्चात खाद में परिवर्तित हो जाते हैं और पानी में आसानी से तैर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में दीपावली के दौरान सरयू तट पर दीपोत्सव का आयोजन किया जाता है। यहां दीपोत्सव में सरयू तट पर राम पैड़ी तथा उसके आस-पास के घाटों पर हजारों दीपों की कतार सजाई और जगमगाई जाती है। इस दीपोत्सव के लिए नगर निगम सहारनपुर द्वारा गोबर से तैयार पर्यावरण-हितैषी 5100 दीयों की खेप अयोध्या भेजी गई है, ताकि अयोध्या का दीपोत्सव और अधिक पावन एवं प्रकृति-अनुकूल बन सके। डॉ. मिश्रा ने बताया कि इसके अतिरिक्त, देश और प्रदेश के सर्वोच्च विशिष्ट अतिथियों, जिनमें राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी ये विशेष गोमय दीये दीप पर्व के उपलक्ष्य में भेजे गए हैं।

दीपावली की धूम.. रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिताओं ने मोहा मन

- बच्चों ने ब्राइट होम पब्लिक स्कूल में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया

वेब वार्ता । नानौता



नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान ब्राइट होम पब्लिक स्कूल में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद अहमद खान एवं मुमताज खान ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान विद्यालय परिसर दीपावली के उल्लास और रचनात्मक गतिविधियों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य मोहम्मद अहमद खान ने दीपावली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपने जीवन से अज्ञानता रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान, सद्भाव और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देता है। पर्व के उपलक्ष्य में विद्यालय में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक एवं मनमोहक रंगोलियां सजाईं। रंगों के माध्यम से दीपावली की खुशियों के साथ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। वहीं, चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दीपावली से संबंधित सुंदर चित्र बनाकर अपनी रचनात्मक सोच और प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य द्वारा सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को मिष्ठान वितरित किया गया तथा दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने और पटाखों से परहेज करने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त शिक्षकगण एवं स्टाफ मौजूद रहा।

इतिशा राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के लिये चयन



नागल (सहारनपुर)। क्षेत्र के सोफिया इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा 7 की होनहार छात्रा इतिशा त्यागी का एनटीपीसी लिमिटेड, लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित होने वाली ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी राज्य स्तरीय कला प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। चित्रकलाप्रतियोगिता 14 नवंबर 2026 (शनिवार) को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, विभूति खंड, गोमती नगर स्थित प्लूटो ऑडिटोरियम में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में चयनित छात्रा विभिन्नप्रतिभागियों के साथ अपनी कलात्मक प्रतिभा एवं रचनात्मक सोच का प्रदर्शन करेगी। छात्रा के इस चयन से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। विद्यालय के चेयरमैन कोणार्क चौधरी एवं प्रधानाचार्य मनोज कुमार अवस्थी ने इतिशा त्यागी को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इतिशा की यह सफलता विद्यालय के लिए गर्व की बात है और अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी।

उत्तराखंड को 1475 करोड़ की 62 विकास योजनाओं की सौगात

अमित शाह और सीएम धामी ने किया लोकार्पण-शिलान्यास

वेब वार्ता । देहरादून



- 44 योजनाओं का शिलान्यास और 18 का लोकार्पण

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड राज्योत्सव के तहत शुक्रवार को परेड ग्राउंड में प्रदेश को 1475.31 करोड़ की 62 विकास योजनाओं की सौगात दी। दोनों नेताओं ने ₹1073.11 करोड़ की 44 योजनाओं का शिलान्यास और 402.20 करोड़ की 18 योजनाओं का लोकार्पण किया।

इन परियोजनाओं से प्रदेश में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, पर्यटन और शहरी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। ऊर्जा क्षेत्र में सबसे अधिक 472.33 करोड़ की 20 योजनाओं का शिलान्यास किया गया, जबकि 77.93 करोड़ की तीन योजनाओं का लोकार्पण हुआ। यूपीसीएल की इन परियोजनाओं से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पेयजल निगम की 191.17 करोड़ की आठ योजनाओं का शिलान्यास और 82.03 करोड़ की पांच योजनाओं का लोकार्पण किया गया। वहीं, जल संस्थान की 62.30 करोड़ की दो योजनाओं की आधारशिला रखी गई। लोक निर्माण विभाग की 18.78 करोड़ की एक योजना का शिलान्यास और 99.68 करोड़ की तीन योजनाओं का लोकार्पण किया गया। शहरी विकास विभाग की 92.25 करोड़ की चार योजनाओं का शिलान्यास तथा 10.95 करोड़ की एक योजना का लोकार्पण हुआ। इनमें हरिद्वार में वर्ष 2027 में प्रस्तावित कुंभ मेले के मद्देनजर सड़क, पुल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में 35.06 करोड़ की एक योजना का शिलान्यास और 61.98 करोड़ की तीन योजनाओं का लोकार्पण किया गया। इनमें नई टिहरी स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक में भवन निर्माण का कार्य भी शामिल है। पर्यटन क्षेत्र में 43.70 करोड़ की दो योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें टिहरी की डोबरा-चांठी पार्क परियोजना और श्री हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना के लिए विद्युत आपूर्ति से संबंधित कार्य शामिल हैं। कानून-व्यवस्था और अग्निशमन सुविधाओं को मजबूत करने के लिए गृह विभाग की 68.27 करोड़ की दो योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इसके तहत देहरादून में 31.63 करोड़ की लागत से साइबर उत्कृष्टता केंद्र और हल्द्वानी में 36.64 करोड़ की लागत से फायर स्टेशन के आवासीय भवनोंका निर्माण होगा।

उत्तराखंड में भाजपा ने फूंका चुनावी बिगुल

अमित शाह ने दिया 'इस बार 65 पार' का नारा



वेब वार्ता । देहरादून

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 के लिए भाजपा के चुनावी अभियान का स्पष्ट संकेत दे दिया। उन्होंने मंच से 'इस बार 65 पार' का नारा देकर पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस, राहुल गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पर जमकर निशाना साधा, वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की कार्यशैली और प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की।अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि राहुल गांधी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर देश में झूठा नैरेटिव फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने घुसपैठियों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और घुसपैठियों को हर हाल में देश से बाहर निकाला जाएगा।गृह मंत्री ने कांग्रेस शासनकाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि पहले चीन भारतीय सीमाओं में घुसपैठ करता था और तत्कालीन सरकार मूकदर्शक बनी रहती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। आज भारत की संप्रभुता की ओर आंख उठाकर देखने की हिम्मत किसी में नहीं है।धामी सरकार की तारीफ, एक लाख करोड़ के निवेश का किया जिक्रअमित शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तारीफ करते हुए एक लाख करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब धामी ने प्रदेश में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा था, तब उन्हें इस आंकड़े पर संदेह हुआ था। इसके बाद उन्होंने स्वयं मुख्य सचिव से फोन पर इसकी जानकारी ली। निवेश की पूरी रूपरेखा समझने के बाद उनका संदेह दूर हुआ और उन्हें मुख्यमंत्री की कार्यक्षमता पर भरोसा हुआ।उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पलायन रोकने और स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में विकास कार्य किए जा रहे हैं। भाजपा सरकार राज्य को विकसित बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। हरीश रावत पर भी साधा निशानाः अपने भाषण में अमित शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और कांग्रेस पर भी तंज कसा। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल के दौरान हुए कथित स्टिंग ऑपरेशन का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय सचिवालय में क्या-क्या होता था।

सीएम धामी का कांग्रेस पर तीखा हमला

राहुल गांधी और अखिलेश यादव को भी घेरा जेनी कांड का जिक्र कर विपक्ष पर साधा निशाना



वेब वार्ता । देहरादून

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में सीएम धामी ने अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत पर भी तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है, जबकि विपक्ष विकास के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करने के बजाय भय और टकराव का माहौल बनाने में जुटा है।

युवाओं को भड़काने का लगाया आरोपः मुख्यमंत्री धामी ने कांग्रेस पर युवाओं को भड़काने और अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना और असहमति जताना हर किसी का अधिकार है, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के लिए युवाओं को उकसाना, अफवाहें फैलाना और हिंसा को प्रोत्साहित करना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चुनावी प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए सीएम धामी ने कहा कि जब चुनावी नतीजे पक्ष में आते हैं तो व्यवस्था सही नजर आती है, लेकिन परिणाम अनुकूल नहीं होने पर ईवीएम और एसआईआर को दोषी ठहराया जाता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के प्रति दोहरा रवैया बताया। धामी ने कहा कि श्रीनगर गढ़वाल और रुद्रपुर में आयोजित भाजपा की लोकतंत्र बचाओ और अराजकता हटाओ यात्रा के दौरान जनता का उत्साह देखकर स्पष्ट है कि लोग कांग्रेस के बहकावे में आने वाले नहीं हैं। सीएम धामी ने राहुल गांधी पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाए। वहीं, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तराखंडवासियों को लेकर कथित तौर पर की गई टिप्पणी पर भी कांग्रेस ने कोई विरोध नहीं जताया। उन्होंने कहा कि एक ओर कांग्रेस के सहयोगी दल उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया बताते हैं, वहीं दूसरी ओर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वालों के मुद्दे पर अलग-अलग नजरिया अपनाया जाता है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में अंकिता भंडारी हत्याकांड और जेनी कांड का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भाजपा सरकार से अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय को लेकर सवाल करती है, लेकिन अपने नेताओं से जुड़े तंदूर और जेनी कांड जैसे मामलों पर चुप्पी साध लेती है। धामी ने कहा कि कांग्रेस के लिए उत्तराखंड का मान-सम्मान और स्वाभिमान प्राथमिकता में नहीं है, बल्कि उसका गठबंधन ही सबसे अहम है।

सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईंः अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य सरकार की विभिन्न उपलब्धियों और विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की जनता विकास और सुशासन के साथ है तथा कांग्रेस के राजनीतिक आरोपों से प्रभावित होने वाली नहीं है।

चोरों से लेकर मैकेनिक तक पुलिस के हत्थे चढ़े, चार गिरफ्तार



वेब वार्ता । हल्द्वानी

नैनीताल पुलिस ने वाहन चोरी के एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन वाहन चोरों और चोरी की बाइक खरीदकर उनके पार्ट्स काटने वाले एक मैकेनिक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हल्द्वानी, काठगोदाम और भीमताल क्षेत्रों से चोरी की गई छह मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर बनभूलपुरा प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह फर्त्याल के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। सीसीटीवी फुटेज और जांच के आधार पर पुलिस ने पांच नवंबर को गौला बाईपास रोड से करन पाठक, योगेश कुमार आर्या, दीपक शर्मा और मैकेनिक विजय श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया।पुलिस के मुताबिक, करन, योगेश और दीपक हल्द्वानी, काठगोदाम व भीमताल से बाइक चोरी कर विजय को बेचते थे। विजय बाइकें आगे बेचने के साथ उनके पार्ट्स काटकर भी बेचता था। बरामद छह बाइकों में स्प्लेंडर, स्प्लेंडर प्रो और पल्सर शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

नशे की लत ने बनाया वाहन चोर, तीन गिरफ्तार

चोरी की दो स्कूटी बरामद, पहले भी दर्ज हैं मुकदमे



वेब वार्ता । ऋषिकेश

नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे तीन युवकों को ऋषिकेश पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो होंडा एक्टिवा स्कूटी बरामद की हैं। इनमें एक स्कूटी आवास विकास कॉलोनी और दूसरी देहरादून रोड स्थित गुरुद्वारा वाली गली से चोरी की गई थी। दोनों मामलों में शिकायत मिलने के बाद पुलिस चोरों की तलाश में जुटी थी।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने 4 नवंबर की रात आईडीपीएल फायर स्टेशन के पास दबिश देकर तीनों को स्कूटी सहित पकड़ लिया। आरोपियों की पहचान आयुष छेत्री (22), कृष ठाकुर (21) और रवि (25), निवासी ऋषिकेश के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने दोनों स्कूटी चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, तीनों स्मैक के नशे के आदी हैं और नशे की जरूरत पूरी करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। आरोपियों ने बताया कि नशे की आदत के चलते परिजनों ने उन्हें घर से अलग कर दिया है। पुलिस जांच में आयुष के खिलाफ वर्ष 2025 और 2026 में चोरी के कई मुकदमे दर्ज होने की जानकारी मिली है, जबकि कृष और रवि के खिलाफ भी पूर्व में वाहन चोरी का मामला दर्ज है। पुलिस ने दोनों मुकदमों में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की है।

गुलदार के हमले के बाद सुई गांव में खौफ, दिन में भी पसरा सन्नाटा

लोहाघाट। सुई गांव में गुलदार के हमले में 13 वर्षीय किशोर की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीण दिन में भी घरों से निकलने से बच रहे हैं और जरूरी काम के लिए समूह में आवाजाही कर रहे हैं। वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में पिंजड़े और कैमरे लगाए हैं। ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है, लेकिन अब तक गुलदार कैमरे में कैद नहीं हुआ है।वन विभाग की टीमें रातभर क्षेत्र में गश्त कर रही हैं। डीएफओ धेनु पुरुषोत्तमन ने प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर ग्रामीणों को सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विभाग की प्राथमिकता गुलदार को पकड़ना है और कैमरों के जरिए उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। उधर, गोमोद गांव में मादा गुलदार के साथ दो शावक देखे जाने के बाद वहां भी गश्त बढ़ा दी गई है। जिलाधिकारी मनीष कुमार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। डीएफओ ने संवेदनशील स्थानों पर सोलर लाइट लगाने की जरूरत बताई है।

राज्य स्थापना दिवस पर साइकिल रैली में 97 खिलाड़ियों ने दिखाया उत्साह

हरिद्वार। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को रोशनाबाद में बालक-बालिका साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिला खेल कार्यालय की ओर से आयोजित रैली में 97 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। रैली का शुभारंभ जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी प्रमोद चंद्र पांडेय ने किया।

साइकिल रैली योगस्थली खेल परिसर रोशनाबाद से शुरू होकर नवोदय चौक और हीरो चौक होते हुए वापस खेल परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में बालक और बालिका खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ स्वस्थ जीवनशैली के लिए शारीरिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना रहा। रैली के समापन पर लॉटरी के माध्यम से पांच बालक और पांच बालिका खिलाड़ियों का चयन किया गया। खेल विभाग की ओर से सभी दस चयनित खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।

महावीर गुर्जर को मिली किसान कांग्रेस की कमान, संगठन को मजबूत करने की तैयारी



वेब वार्ता । हरिद्वार

किसान कांग्रेस ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए महावीर सिंह गुर्जर को हरिद्वार जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। हरिद्वार ग्रामीण के किशनपुर स्थित किसान कांग्रेस के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष इरशाद अली के आवास कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा गया। किसान कांग्रेस उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हरमिंदर सिंह ढिल्लों (लाडी) के निर्देश पर इरशाद अली ने यह जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया और मिठाई खिलाकर बधाई दी। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लों (लाडी) भी व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़े। उन्होंने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने और किसानों के हितों के लिए सक्रियता से काम करने का आ''ान किया। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष इरशाद अली ने कहा कि किसान कांग्रेस किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। महावीर सिंह गुर्जर के जिलाध्यक्ष बनने से हरिद्वार में संगठन को नई मजबूती मिलेगी। किसानों की समस्याओं, उनके अधिकारों और खेती-किसानी से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठन संघर्ष करेगा। कार्यकर्ताओं को एकजुट कर किसान हितों की लड़ाई गांव-गांव तक पहुंचाई जाएगी। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महावीर सिंह गुर्जर ने प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे पूरी निष्ठा और मेहनत से निभाएंगे। अधिक से अधिक किसानों और युवाओं को संगठन से जोड़ना तथा उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस दौरान राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, ब्रह्मचंदगी, मोहम्मद आकिल, शाहिद मलिक, शोएब खान, मुजफ्फर अली, अजय शर्मा, अमित वर्मा, पंकज चौधरी, नवीन पाल, पवन त्रिपाठी, दिलशाद, मोहम्मद अनस, नईम खान, रीना और फैयाज अहमद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केदारताल ट्रेक पर हिमस्खलन में तीन और शव मिले, मृतकों की संख्या सात



वेब वार्ता । उत्तरकाशी

केदारताल ट्रेक पर हिमस्खलन की चपेट में आए लापता ट्रेकर्स की तलाश में शुक्रवार को राहत एवं बचाव अभियान के दौरान तीन और शव बरामद हुए। इसके साथ हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है।

आठ ट्रेकर्स में से एक अभी भी लापता है, जिसकी तलाश में एसडीआरएफ और नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) की संयुक्त टीम जुटी है।शुक्रवार सुबह बचाव दल ने लापता ट्रेकर की संभावित लोकेशन पर तलाशी अभियान शुरू किया। करीब 9:30 बजे सैटेलाइट फोन से जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को अभियान की जानकारी दी गई। तलाशी के दौरान अलग-अलग स्थानों से हिमस्खलन में दबे तीन पुरुष ट्रेकर्स के शव बरामद किए गए। रेस्क्यू टीम शवों को बेस कैंप लाई, जहां से हेलीकॉप्टर के जरिए मातली हेलीपैड पहुंचाया गया। इसके बाद शव जिला अस्पताल की मोर्चरी भेजे गए। अधिकारियों के मुताबिक लापता आठवें ट्रेकर की तलाश लगातार जारी है। राहत दल संभावित स्थानों पर सघन सर्च ऑपरेशन चला रहा है।

बहादराबाद सीएचसी में अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू, सप्ताह में दो दिन होगी जांच

पहले दिन दो गर्भवती महिलाओं का हुआ अल्ट्रासाउंड, जल्द शुरू होगी सी-सेक्शन सुविधा

वेब वार्ता । हरिद्वार



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादराबाद में गर्भवती महिलाओं के लिए अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा शुरू कर दी गई है। अब क्षेत्र की महिलाओं को अल्ट्रासाउंड कराने के लिए दूसरे अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सीएचसी में सप्ताह में दो दिन नियमित रूप से अल्ट्रासाउंड जांच की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल से स्थानीय स्तर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके सिंह के निर्देश पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. यशपाल तोमर ने अल्ट्रासाउंड सुविधा का शुभारंभ किया। पहले दिन डॉ. अंतिमा और डॉ. यशपाल तोमर ने दो गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड किया। सीएमओ ने बताया कि नियमित जांच के लिए डॉ. राकेश को सप्ताह में दो दिन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. यशपाल तोमर ने बताया कि सीएचसी में स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में जल्द ही सिजेरियन यानी सी-सेक्शन प्रसव की सुविधा भी शुरू करने की तैयारी है। इससे जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को स्थानीय स्तर पर ही ऑपरेशन से प्रसव की सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि अप्रैल से अक्टूबर 2026 तक सीएचसी में कुल 38,263 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं। इस दौरान 610 मरीजों को भर्ती कर उपचार किया गया। अक्टूबर में 5,151 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया, जिनमें 3,315 नए और 1,836 पुराने मरीज शामिल रहे। प्रसव सेवाओं के तहत अक्टूबर में 52 महिलाओं का प्रसव कराया गया।

रेड फोर्ट इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल का दसवां वार्षिकोत्सव 'अमृत भारत' की भव्य थीम के साथ संपन्न

वेब वार्ता । ऋषिकेश





रेड फोर्ट इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, ऋषिकेश का दसवाँ वार्षिकोत्सव 'अमृत भारत' थीम के अंतर्गत अत्यंत भव्यता, गरिमा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समारोह में विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, परंपरा, राष्ट्रीय गौरव, देशभक्ति एवं विविधता में एकता की अद्भुत झलक प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गजेंद्र जोशी, अध्यक्ष, उत्तराखंड लोक सेवा आयोग उपस्थित रहे। श्री जोशी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों, विद्यालय के अनुशासन और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुसुम कंडवाल, अध्यक्ष, उत्तराखंड राज्य महिला आयोग तथा सूबेदार महेंद्र पाल सिंह रावत, सेवानिवृत्त अध्यक्ष, पूर्व सैनिक कल्याण संगठन, कोटद्वार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। विद्यालय की ओर से मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं पारंपरिक गढ़वाली खुखरी स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा अतिथियों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए हस्त निर्मित स्केच एवं चित्र भी भेंट किए गए। समारोह में विद्यालय के चेयरमैन डॉ. शुर्वीर सिंह बिष्ट, प्रधानाचार्या तरंग बेली, अकादमिक हेड अमित गांधी, उप-प्रधानाचार्य देवेंद्र बिष्ट, मनोज बिष्ट, पूर्व प्रधानाचार्या कल्पना शर्मा, मनोरंजन देबरानी सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वार्षिकोत्सव को दो चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण में प्री-प्राइमरी से कक्षा चार तक के विद्यार्थियों ने 'लिटिल फीट', 'जंगल बीट्स', 'लिटिल कृष्णा रास लीला', 'वेस्टर्न बीट्स', 'द भुलभुलैया मिस्ट्री', 'कलर्स ऑफ इनक्रेडिबल इंडिया', 'कश्मीर के रंग' एवं 'गढ़वाली फोक फ्यूजन' जैसी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। द्वितीय चरण में कक्षा पाँच से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने 'खुखरी झ्र द प्राइड ऑफ गढ़वाल राइफल्स', 'शिव तांडव', 'कुमारी झ्र द प्राइड ऑफ नेपाल', 'कांतारा', 'पद्मावती', 'कलर्स ऑफ साउथ इंडिया', 'योग शोकेस', 'नाटी झ्र द हिमाचली बीट', 'पहाड़ी फ्यूजन', 'जसवंत सिंह झ्र नूरानांग का अमर प्रहरी', 'जीतू बगड़वाल' तथा 'रंग पंजाब दे' जैसी प्रस्तुतियों से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। दसवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विशेष लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया, जिसमें दस विजेताओं को ग्राम प्रधान मीना रतूड़ी द्वारा सम्मानित किया गया। इस वर्ष समारोह का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण दो नए सम्मान झ्र 'रेड फोर्ट रतन' एवं 'रेड फोर्ट स्टार' पुरस्कारों की शुरुआत रही। 'रेड फोर्ट स्टार' का सम्मान विद्यार्थी प्रद्युम्न सूरीरा को तथा शिक्षिका खुशबू थापा को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'रेड फोर्ट रतन' से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान आर्ट एंड क्राफ्ट, कराटे, शूटिंग, मॉडल यूनाइटेड नेशन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। चेयरमैन डॉ. शुर्वीर सिंह बिष्ट ने दस वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रधानाचार्या तरंग बेली ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षकों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

ब्रीफ न्यूज

बिंदल बने एनसीएलटी के नए चेयरपर्सन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस राजेश बिंदल को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। उन्होंने 15 अप्रैल 2026 को सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत्ति ली थी। इससे पहले न्यायमूर्ति योगेश खन्ना कार्यवाहक चेयरपर्सन के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जस्टिस बिंदल के अनुभव से न्यायाधिकरण के कामकाज को मजबूती मिलने की उम्मीद है। एनसीएलएटी में कंपनी कानून, दिवालियापन और उससे जुड़े मामलों की अपीलों पर सुनवाई की जाती है।

अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के बहनोई की ईडी ने चार करोड़ की संपत्ति की कुर्क

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के बहनोई सलीम इकबाल कुरैशी उर्फ सलीम फ्रूट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मुंबई के डोंगरी इलाके में स्थित लांबत बिल्डिंग समेत कुल करीब चार करोड़ रुपए की अचल और चल संपत्ति कुर्क की है। सलीम फ्रूट पर दाऊद इब्राहिम गैंग के नाम पर धमकी देने और फर्जी दस्तावेजों के जरिए बिल्डिंग पर कब्जा करने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी का दावा है कि सलीम फ्रूट ने अपनी पत्नी शाजिया के नाम पर इस संपत्ति को हस्तांतरित किया था। इस कार्रवाई में बिल्डर असलम अब्दुल रहमान पटनी के बैंक खाते में जमा रकम भी ईडी ने जब्त की है। आरोप है कि शब्बीर करोलिया और यूसुफ करोलिया ने खुद को संपत्ति का मूल मालिक बताकर फर्जी कन्वेयंस डीड समेत अन्य दस्तावेज तैयार किए थे। ईडी के मुताबिक दाऊद इब्राहिम और सलीम फ्रूट के नाम पर मूल मालिकों को धमकाकर बिल्डिंग में 50 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की गई थी। इसके बाद संपत्ति के लेन-देन को कानूनी दिखाने के लिए अलग-अलग चरणों में इसे हस्तांतरित करने का भी आरोप है।

पराग्वे में बैंकिंग संकटः राष्ट्रपति पेना पर महाभियोग की तलवार

असुनसियन। दक्षिण अमेरिकी देश पराग्वे में एक बड़े बैंकिंग संकट ने राष्ट्रपति सैंटियागो पेना की राजनीतिक मुश्किलें बढ़ा दी हैं। देश के प्रमुख डिजिटल बैंक उएनो बैंक में वित्तीय अनियमितताएं सामने आने के बाद केंद्रीय बैंक ने उसका नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। बैंक की सेवाएं बंद होने से लगभग 30 लाख ग्राहक अपने खातों में जमा रकम का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। इस घटनाक्रम के बाद देश में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं और सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच, राष्ट्रपति पेना ने अपने इस्तीफे का ऐलान किया, लेकिन संसद ने इसे स्वीकार नहीं किया। पराग्वे की निचली संसद में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने के पक्ष में 78-0 से मतदान हुआ। यह फैसला पेना के इस्तीफे की घोषणा के कुछ ही मिनटों बाद आया। इसके बाद, उच्च सदन में भी उन्हें पद से हटाने को लेकर चर्चा शुरू हो गई। संसद द्वारा इस्तीफा अस्वीकार किए जाने के कारण, पेना को अब महाभियोग का सामना करना पड़ सकता है।

नए प्रावधानों में अब यात्रियों के लिए वैध पासपोर्ट और वीजा रखना जरुरी होगा

सरकार ने नेपाल-भूटान से भारत आने-जाने वालों के लिए बदले इमिग्रेशन नियम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत सरकार ने नेपाल और भूटान के नागरिकों के भारत आने-जाने से जुड़े इमिग्रेशन नियमों में संशोधन किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नए आदेश के जरिए पहचान दस्तावेजों और यात्रा संबंधी छूट की शर्तों को साफ कर दिया है। इसका असर खासतौर पर उन यात्रियों पर पड़ेगा, जो नेपाल और भूटान से भारत आते हैं या भारत से इन देशों की यात्रा करते हैं। नए प्रावधानों के तहत कुछ परिस्थितियों में यात्रियों के लिए वैध पासपोर्ट और वीजा रखना जरुरी होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स की अधिसूचित की है। इस संशोधन का उद्देश्य नेपाल और भूटान के नागरिकों को मिलने वाली पहचान संबंधी छूट की सीमाएं स्पष्ट करना है। भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से खुली सीमा है। इसी तरह भारत और भूटान के नागरिकों को भी आपसी आवाजाही में कई तरह की सुविधाएं मिलती हैं। सामान्य परिस्थितियों में दोनों देशों के नागरिक तय पहचान दस्तावेजों के आधार पर भारत आ-जा सकते हैं। हालांकि, नए आदेश में कुछ ऐसी परिस्थितियों का उल्लेख किया गया है, जिनमें यह छूट लागू नहीं होगी। संशोधित आदेश के मुताबिक



यदि नेपाल या भूटान का कोई नागरिक इन दोनों देशों के अलावा किसी तीसरे देश से भारत आता है या भारत से किसी तीसरे देश की यात्रा करता है तो उसे वैध पासपोर्ट रखना होगा। ऐसी स्थिति में सामान्य पहचान संबंधी छूट का लाभ नहीं मिलेगा यानी यात्रा के मार्ग और नागरिक की आवाजाही के आधार पर दस्तावेजों की जांच की जाएगी। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य तीसरे देशों के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले यात्रियों की पहचान और यात्रा संबंधी जानकारी को व्यवस्थित करना है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के रास्ते यात्रा करने वाले लोगों के लिए भी नए प्रावधानों का महत्व बढ़ जाता है। ऐसे यात्रियों को यात्रा से पहले अपने दस्तावेजों की वैधता और लागू नियमों की जानकारी रखना जरूरी होगा। नेपाल और भूटान के साथ भारत के सांस्कृतिक, आर्थिक और पारिवारिक संबंध काफी पुराने हैं। दोनों देशों के नागरिक बड़ी संख्या में व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और पारिवारिक कारणों से भारत आते-जाते हैं। ऐसे में नए नियमों का उद्देश्य सामान्य आवाजाही को प्रभावित करना नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों को स्पष्ट करना है जहां अतिरिक्त पहचान दस्तावेजों की जरूरत होगी।

ट्रंप ने ईरान पर हमले के दिए संकेत डेमोक्रेट्स युद्ध खत्म करने कराएगा वोटिंग!

डेमोक्रेट्स अगली कांग्रेस के लिए अपनी विदेश नीति का एजेंडा कर रहे तैयार

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ और सैन्य कार्रवाई करने का संकेत दिया है। हालांकि, उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए कोई समय-सीमा या लक्ष्य नहीं बताया है। इसी बीच हाउस के वरिष्ठ डेमोक्रेट्स ने युद्ध को खत्म करने के लिए वोटिंग की योजना बनाई है। वे इस युद्ध के उद्देश्यों और इसमें होने वाले खर्च के बारे में जवाब मांग रहे हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर संभव हो तो मैं बाकी देश को बर्बाद नहीं करना चाहूंगा, लेकिन शायद मुझे ऐसा करना पड़े। आपको जल्द ही पता चल जाएगा।

उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए कोई समय-सीमा या लक्ष्य नहीं बताया और न ही किसी नए हमले का आदेश देने की घोषणा की। इससे पहले डेमोक्रेट्स अगली कांग्रेस के लिए अपनी विदेश नीति का एजेंडा तैयार कर रहे हैं। प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने संघर्ष को



समाप्त करने के लिए प्रस्ताव लाने का वादा किया, जबकि डेमोक्रेटिक व्हिप कैथरीन क्लार्क ने युद्ध के लक्ष्यों और इससे बाहर निकलने की रणनीति पर सवाल उठाए। इन बयानों ने ट्रंप की ईरान नीति के खिलाफ कांग्रेस में मौजूद विरोध को दर्शाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के वरिष्ठ डेमोक्रेट, ग्रेगरी मीक्स ने एक पत्र लिखकर अपने सहयोगियों से कमेटी का अध्यक्ष बनने के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने लिखा कि कानूनी मोर्चे पर मैं राष्ट्रपति के ईरान के साथ युद्ध को तुरंत खत्म करने के लिए प्रस्ताव लाऊंगा। साथ ही अमेरिकी विदेश नीति तय करने में कांग्रेस की जो उचित भूमिका है, उसे वापस बहाल करने को प्राथमिकता दूंगा। पत्र में यह भी प्रस्ताव दिया गया है कि ईरान युद्ध, वेनेजुएला, और सैन्य कार्रवाई व व्यापार पर कांग्रेस के अधिकार से जुड़े विवादों को लेकर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से सार्वजनिक रूप से गवाही मांगी जाए। मीक्स अपनी विधायी और निगरानी संबंधी योजनाओं के बारे में बता रहे थे। पत्र में वोटिंग के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है और न ही इस वादे को लागू करने वाला कोई नया प्रस्ताव पेश किया है। इससे पहले कैथरीन क्लार्क ने सीएनएन को बताया कि डेमोक्रेट्स प्रशासन पर इस संघर्ष के लिए लगातार फंडिंग जारी रखने और अमेरिकी सैनिकों को सुरक्षित घर वापस लाने की योजना के बारे में सवाल उठाएंगे। क्लार्क ने राष्ट्रपति ट्रंप पर आरोप लगाया कि वे देश को एक ऐसे लापरवाह युद्ध में धकेल रहे हैं, जिसकी न तो कोई एग्जिट स्ट्रेटेजी है और न ही कोई स्पष्ट लक्ष्य है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संघर्ष की वजह से घरेलू ईंधन की कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है।

ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम में ट्रंप ने सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि आगे क्या करना है, इस पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने अपनी इस बात को भी दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने चाहिए। तेहरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े प्रस्तावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वे हमारी मंजूरी के बिना कुछ भी नहीं कर रहे हैं।

पुतिन और ईरान के सुरक्षा सचिव ने की मुलाकात, जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को में ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसेन रेजाई से मुलाकात की। इस बैठक के साथ ही रूस ने अपने नागरिकों को ईरान न जाने की सलाह भी दी है। यह ट्रैवल एडवाइजरी ईरान के विदेश मंत्री द्वारा सात देशों के समकक्षों से फोन पर बातचीत के बाद जारी की गई है। पुतिन की इस बैठक को लेकर क्रेमलिन ने एक बयान जारी किया, जिसमें बताया गया कि बैठक में पुतिन के सहयोगी यूरी उशाकोव और रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी जीआरयू के चीफ इगोर कोस्त्युकोव भी शामिल हुए। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब मॉस्को और तेहरान के बीच हाई लेवल बातचीत का दायरा बढ़ा है, जिसमें सुरक्षा सहयोग और क्षेत्रीय घटनाक्रम से जुड़े एजेंडे भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन में हुई बैठक से ठीक तीन दिन पहले 2 नवंबर को पुतिन और रेजाई के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिसमें क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों, खासकर पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई थी।

नेपाली पीएम बालेन शाह और भारत के विदेश सचिव मिस्री की काठमांडू में मुलाकात

सहयोग, आपदा राहत, खेल और रेलवे संपर्क को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी ■ काठमांडू

भारत और नेपाल के बीच कूटनीतिक संवाद को नई गति मिलती दिखाई दे रही है। नेपाल के पीएम बालेन शाह और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री के बीच काठमांडू में हुई मुलाकात को दोनों देशों के संबंधों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। इस बैठक में आपसी सहयोग, आपदा राहत, खेल और रेलवे संपर्क को मजबूत बनाने समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। खासतौर पर दो बड़े क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति की दिशा में बात हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को नेपाल के सिंह दरबार स्थित पीएमओ और मंत्रिपरिषद के कार्यालय में दोनों पक्षों के बीच औपचारिक बैठक हुई। इस दौरान नेपाल की ओर से भारत के साथ भविष्य के संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में पीएम बालेन शाह ने बाढ़ के दौरान भारत की ओर से दी गई सहायता के लिए आभार माना। पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों के संबंधों में कई तरह के बदलाव देखने को मिले हैं। हालांकि, ताजा मुलाकात



में दोनों पक्षों ने सहयोग बढ़ाने और संबंधों को आगे ले जाने पर जोर दिया। बैठक में खेल के क्षेत्र में सहयोग को प्रमुखता दी गई। दोनों देश खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण और आपसी प्रतियोगिताओं के जरिए संबंध मजबूत करने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। इसके साथ ही रेलवे नेटवर्क और संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाने का मुद्दा भी बातचीत में शामिल रहा। दोनों देशों के बीच रेल संपर्क बढ़ने से यात्रियों की आवाजाही और व्यापार को सुविधाजनक बनाया जा सकता है। भारत के लिए नेपाल पड़ोसी देश होने के साथ क्षेत्रीय संपर्क और सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। बैठक में दोनों देशों ने आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता के क्षेत्र में सहयोग जारी रखने पर भी चर्चा की। बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं के समय सीमा पार राहत और बचाव कार्यों में बेहतर तालमेल की जरूरत पर जोर दिया गया।

पेट में अंदर संदिग्ध नशीला पदार्थ छिपाकर लाया भारत, एयरपोर्ट पर पकड़ाया

एजेंसियों को शक आरोपी अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरोह से जुड़ा हो सकता है

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है, जो अपने पेट में आधा किलो से ज्यादा संदिग्ध नशीला पदार्थ छिपाकर भारत लाया था। जांच में आरोपी के शरीर से करीब 559 ग्राम पाउडर बरामद किया गया। अधिकारियों को आशंका है कि यह पदार्थ मॉर्फिन, कोकीन या एमडीएमए में से कोई हो सकता है। फिलहाल बरामद पदार्थ की पहचान और पूरे तस्करी नेटवर्क की जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी यात्री विमान से दिल्ली पहुंचा था। हवाई अड्डे पर उसकी गतिविधियां सामान्य यात्रियों से अलग दिखाई दीं। उसकी आंखों और व्यवहार में असामान्य बदलाव देखकर सुरक्षा एजेंसियों को शक



हुआ। इसके बाद एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने उसे रोककर पूछताछ की। अधिकारियों को शक था कि यात्री ने अपने शरीर के अंदर नशीले पदार्थ छिपा रखे हैं। शुरुआती पूछताछ और जांच में शक मजबूत होने पर आरोपी को आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया। डॉक्टरों की निगरानी में उसके पेट से संदिग्ध पदार्थ निकाला गया। जांच में करीब 559 ग्राम पाउडर बरामद होने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा मामले में कैप्सूल की संख्या और उनके भीतर मौजूद पदार्थ की भी जांच की जा रही है। एजेंसियों को आशंका है कि आरोपी अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह से जुड़ा हो सकता है। तस्करी के इस तरीके में आरोपी नशीले पदार्थों को छोटे पैकेट या कैप्सूल के रूप में निगल लेते हैं और हवाई यात्रा के जरिए एक देश से दूसरे देश पहुंचते हैं। इस तरीके को बेहद खतरनाक माना जाता है, क्योंकि पेट के अंदर छिपाए गए पैकेट के फटने से व्यक्ति की जान भी जा सकती है। बरामद पाउडर की वास्तविक पहचान के लिए वैज्ञानिक जांच कराई जा रही है। इसके बाद ही स्पष्ट होगा कि इसमें कौन सा मादक पदार्थ मौजूद था। अधिकारियों की ओर से आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उसने यह पदार्थ कहां से हासिल किया था और दिल्ली में किसे इसकी आपूर्ति की जानी थी।

रिपब्लिकन पार्टी की हार अमेरिकी लोकतंत्र के लिए असाधारण और ऐतिहासिकः थरुर

नई दिल्ली। कांग्रेस के सांसद शशि थरूर ने अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी की हार को अमेरिकी लोकतंत्र के लिए असाधारण और ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में बहुमत गंवाने के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विदेश नीति के मामलों में पहले की तरह फैसले लेने के लिए स्वतंत्र रहेंगे। रूस से तेल खरीद पर प्रतिबंध, टैरिफ, ईरान युद्ध और यूक्रेन से जुड़े फैसलों पर चुनावी नतीजों का कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थरूर ने उम्मीद जताई कि चुनाव परिणामों से अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ नस्लभेदी माहौल में कमी आएगी। उन्होंने डेमोक्रेट उम्मीदवारों की जीत को अप्रत्याशित बताते हुए मिशिगन में मिस्र मूल के भारतीय दामाद का अमेरिका का पहला निर्वाचित मुस्लिम सीनेटर बनना और तिरुवनंतपुरम की बेटी नित्या रमन का लॉस एंजिलिस की मेयर बनना उल्लेखनीय है।



पेरु में एक मोटरसाइकिल पानी से लबालब भरी एक सड़क से निकलती हुई।

राहत विदर्भ और पश्चिम महाराष्ट्र के यात्रियों को मिलेगी राहत

नागपुर से पुणे के बीच शुरू हो सकती है स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस

एजेंसी ■ मुंबई

मुंबई और बेंगलुरु के बीच स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस को यात्रियों से मिल रहे अच्छे प्रतिसाद के बाद अब महाराष्ट्र के एक और महत्वपूर्ण रेल मार्ग पर ऐसी ट्रेन शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। नागपुर से पुणे के बीच स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की चर्चा तेज हो गई है। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो विदर्भ और पश्चिम महाराष्ट्र के हजारों यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा में बड़ी राहत मिल सकती है। नागपुर विदर्भ का प्रमुख शहर है, जबकि पुणे शिक्षा, आईटी, उद्योग और रोजगार का



बड़ा केंद्र है। दोनों शहरों के बीच विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और कारोबारियों का नियमित आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में इस मार्ग पर आरामदायक रेल सेवा की मांग लंबे समय से की जा रही है।

16 कोच की ट्रेन में मिल सकती हैं तीन श्रेणियां

मिली जानकारी के अनुसार, नागपुर-पुणे मार्ग के लिए प्रस्तावित स्लीपर वंदे भारत ट्रेन में कुल 16 कोच होने की संभावना है। इसमें थर्ड एसी, सेकंड एसी और फर्स्ट क्लास एसी की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। आधुनिक सुविधाओं से लैस शयनयान व्यवस्था यात्रियों को रात में आरामदायक सफर का अनुभव दे सकती है। इस ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 160 किलोमीटर प्रति घंटा तक होने की संभावना भी जताई जा रही है। हालांकि, ट्रेन के कोच, श्रेणियों, गति और संचालन को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

12 घंटे के सफर में स्लीपर सुविधा की मांग

फिलहाल नागपुर-पुणे मार्ग पर चेयरकार श्रेणी की वंदे भारत एक्सप्रेस संचालित हो रही है। इस ट्रेन से सफर में करीब 12 घंटे लगते हैं। इतनी लंबी यात्रा के दौरान लगातार सीट पर बैठकर सफर करना बुजुर्गों, छोटे बच्चों वाले परिवारों और अन्य यात्रियों के लिए असुविधाजनक हो सकता है। इसी वजह से इस मार्ग पर स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू करने की मांग उठ रही है।

कई जिलों के यात्रियों को होगा फायदा

मौजूदा वंदे भारत एक्सप्रेस के अजनी, वर्धा, बडनेरा, अकोला, शेगांव, भुसावल, जलगांव, मनमाड और दौंड जैसे स्टेशनों पर ठहराव हैं। यदि प्रस्तावित स्लीपर वंदे भारत भी इन प्रमुख स्टेशनों से होकर चलती है, तो विदर्भ और उत्तर महाराष्ट्र के कई जिलों के यात्रियों के लिए पुणे पहुंचना अधिक सुविधाजनक हो सकता है। फिलहाल नागपुर-पुणे स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस को लेकर संभावनाएं जताई जा रही हैं।

दिवाली पर सिर्फ 10 रुपये में मिलेगा पटाखा बीमा!

पटाखों से हादसा होने पर मिल सकती है आर्थिक मदद, जानें कैसे लें पॉलिसी

एजेंसी ■ मुंबई

दिवाली का त्योहार आते ही घरों में रोशनी, सजावट और पटाखों की आतिशबाजी शुरू हो जाती है। लेकिन खुशियों के इस त्योहार में थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। पटाखे जलाते समय हाथ-पैर जलने, आंखों में चोट लगने या घर में आग लगने जैसी घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। ऐसे हादसों में शारीरिक परेशानी के साथ-साथ इलाज का खर्च भी परिवार के लिए चिंता का कारण बन जाता है। इसी जोखिम को ध्यान में रखते हुए कुछ कंपनियां दिवाली के मौके पर विशेष पटाखा बीमा उपलब्ध कराती हैं। दावा किया जाता है कि यह बीमा मात्र 10 रुपये से शुरू हो सकता है। आइए जानते हैं इस बीमा की खासियत और इसे लेने से पहले किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

पटाखा बीमा दिवाली के दौरान पटाखों और रोशनी से जुड़े हादसों में होने वाली चोटों के लिए दिया जाने वाला विशेष बीमा कवर है। इसकी कीमत और मिलने वाली सुविधाएं अलग-अलग कंपनियों तथा पॉलिसी की शर्तों पर निर्भर करती हैं।

तीन स्वतंत्र डायरेक्टर संभालेंगे कमान एसीई ने करीब 30 करोड़ रुपए तक फंडिंग का भरोसा दिया

अमेरिकी क्रिकेट को दिवालियापन से निकालने की तैयारी शुरु

तैयारी

लंदन, एजेंसी

अमेरिका क्रिकेट को दिवालिया-पन से बाहर निकालने की तैयारी शुरू हो गई है। कोर्ट नियुक्त ट्रस्टी मार्क डेनिस ने बोर्ड के लिए तीन स्वतंत्र डायरेक्टर के नाम प्रस्तावित किए हैं। इनमें सेलिना कैंग, पैट्रिक सिंगलटन और नॉर्मन वेन शामिल हैं। नई टीम ICC से निलंबित सदस्यता बहाल कराने और अमेरिकी क्रिकेट में प्रशासनिक स्थिरता लाने की जिम्मेदारी संभालेगी। यह प्रस्ताव USA क्रिकेट के रिऑर्गेनाइजेशन प्लान का हिस्सा है, जिसे अमेरिकी बैंकरप्सी कोर्ट में दाखिल किया गया है। मेजर लीग क्रिकेट (MLC) की मालिक कंपनी अमेरिकन क्रिकेट एंटरप्राइजेज (ACE) ने भी संगठन को चलाने के लिए 29 करोड़ 68 लाख रुपए तक की अतिरिक्त फंडिंग देने का भरोसा दिया है।



अमेरिकी ने इसी साल अक्टूबर में पहली बार ICC मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 का खिताब जीता था।

2028 ओलिंपिक तक बिना चुनाव के चल सकता है बोर्ड

नए संविधान के तहत USA क्रिकेट के बोर्ड में 9 से 11 डायरेक्टर हो सकते हैं। इसमें खिलाड़ियों के प्रतिनिधियों के पास कम से कम 33.3% वोटिंग अधिकार होंगे। प्रस्तावित व्यवस्था के मुताबिक, ICC की सदस्यता बहाल होने तक स्वतंत्र डायरेक्टर के पास बोर्ड की कमान रह सकती है। ऐसे में 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक तक सामान्य सदस्यों के बीच चुनाव कराए बिना भी संगठन चल सकता है।

हालांकि, दस्तावेजों में चुनाव कराने पर रोक नहीं लगाई गई है और न ही इसके लिए कोई निश्चित समयसीमा तय की गई है।

USA क्रिकेट की ICC सदस्यता सितंबर 2025 से निलंबित है। इस कारण संगठन को ICC से फंडिंग नहीं मिल रही।

जनवरी 2027 में कोर्ट की मंजूरी मिलने की उम्मीद

कोर्ट नियुक्त ट्रस्टी मार्क डेनिस ने 15 जनवरी 2027 के आसपास रिऑर्गेनाइजेशन प्लान की सुनवाई कराने का अनुरोध किया है। यह सुनवाई अधिकतम 22 जनवरी तक हो सकती है। फंडिंग व्यवस्था के लिए 29 जनवरी तक कोर्ट की मंजूरी जरूरी है।

प्लान को मंजूरी मिलने और सभी शर्तें पूरी होने के बाद तीनों नए डायरेक्टर पद संभाल सकते हैं। उसी समय USA क्रिकेट के मौजूदा बोर्ड के सभी सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

नए डायरेक्टर के चयन की प्रक्रिया पर ICC और अमेरिकी ओलिंपिक एवं पैरालिंपिक समिति (USOPC) ने भी नजर रखी है।

> **दरअसल, यूएसए क्रिकेट और एसीई के बीच लंबे समय से कमर्शियल समझौते को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष 2019 के शुरुआती समझौते की शर्तों के अनुरूप नया करार नहीं कर पाए थे। इसी मतभेद ने संगठन के प्रशासनिक संकट को और बढ़ाया।**
>
> **अब नए बोर्ड को एसीई के साथ मिलकर ऐसा समझौता करना होगा, जो आईसीसी की पहले उठाई गई आपत्तियों को भी दूर करे।**

ACE की रकम जुलाई में हुए पुराने सेटलमेंट के तहत तय फंडिंग के अतिरिक्त होगी। इसका इस्तेमाल संगठन के रोजमर्रा के खर्च और कामकाज के लिए किया जाएगा।

इस योजना में 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के बाद 2029 तक फंडिंग की व्यवस्था का भी प्रावधान है।

14 साल बाद भारतीय महिला खिलाड़ी डब्ल्यूटीए क्वार्टरफाइनल में

माया राजेश्वरन चेन्नई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं



नई दिल्ली। 17 साल की माया राजेशवरन रेवती चेन्नई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। वह 14 साल बाद किसी WTA टूर-लेवल सिंगल्स टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

इससे पहले 2012 में सानिया मिर्जा ने पट्टाया ओपन में यह उपलब्धि हासिल की थी। माया ने बुधवार को राउंड ऑफ-16 में पोलैंड की वेरोनिका फाल्कोवस्का को 6-4, 6-3 से हराया।

मैच की शुरुआत माया के लिए अच्छी नहीं रही। उन्होंने डबल फॉल्ट के साथ शुरुआत की और अपनी सर्विस गंवा दी। हालांकि, उन्होंने तुरंत वापसी करते हुए फाल्कोवस्का की सर्विस तोड़ दी।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच लगातार 5 गेम में सर्विस ब्रेक हुए। इस दौरान डबल फॉल्ट और अनफोर्स्ड एरर्स भी देखने को मिले। फाल्कोवस्का ने एक समय 4-2 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद माया ने लगातार दो गेम जीतकर स्कोर 4-4 किया और फिर अपनी सर्विस बचाकर 5-4 की बढ़त हासिल की।

10वें गेम में फाल्कोवस्का ने दो डबल फॉल्ट किए और एक फोरहैंड शॉट भी बाहर मार दिया। इससे माया को सेट जीतने के दो मौके मिले। उन्होंने दूसरा सेट पॉइंट भुनाते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में फाल्कोवस्का ने अपने शॉट्स में ज्यादा ताकत लगाने की कोशिश की, लेकिन माया ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और आठवें गेम में फाल्कोवस्का की सर्विस तोड़कर 5-3 की बढ़त बना ली।

यूथ ओलिंपिक : 15 साल की तन्वी पात्री फाइनल में पहुंची

गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय बन सकती हैं



नई दिल्ली। 15 साल की भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पात्री यूथ ओलिंपिक गेम्स के फाइनल में पहुंच गई हैं। वे इस टूर्नामेंट में महिला सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। इसके साथ ही इस इवेंट में भारत का पहला महिला सिंगल्स मेडल भी पक्का हो गया है।

तन्वी ने सेमीफाइनल में जापान की दूसरी सीड युजुनो वतनाबे को 21-14, 11-21, 21-19 से हराया। अब गोल्ड मेडल मैच में उनका मुकाबला चीन की शिन झांग से आज रात होगा।

तन्वी ने मुकाबले की शुरुआत अच्छी की और पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। हालांकि, वतनाबे ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए 21-11 से जीत हासिल की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय मुकाबला बराबरी पर था। हालांकि तन्वी ने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और 21-19 से गेम जीतकर फाइनल में जगह बना ली। तन्वी का मैच चीन की मजबूत यी शिन झांग से है। झांग हाल ही में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। दोनों खिलाड़ी इस साल एशिया जूनियर चैंपियन-शिप के क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने आई थीं। तब तन्वी को 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। यूथ ओलिंपिक में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है।

सुरेश रैना बोले- एक बार का किंग, हमेशा किंग, दिनेश कार्तिक की पोस्ट- आपकी फिटनेस का जवाब नहीं

38 साल के हुए विराट कोहली

नई दिल्ली। विराट कोहली गुरुवार को 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर कई क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर बधाईयां दी हैं। इनमें शिखर धवन, रवि शास्त्री, सुरेश रैना, दिनेश कार्तिक भी शामिल हैं।

सुरेश रैना ने लिखा- एक बार का किंग, हमेशा किंग रहता है। वहीं दिनेश कार्तिक ने कोहली के फिटनेस की तारीफ की है। भारत के पूर्व हेड कोच रहे रवि शास्त्री ने खास अंदाज में कोहली को जन्मदिन की बधाई दी है।

वनडे में सबसे ज्यादा शतक से लेकर कई बड़े कोहली के नाम हैं, लेकिन सबसे पहले जन्मदिन पर क्रिकेटरों के बधाई संदेश

पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने विराट कोहली की बल्लेबाजी करते हुए एक तस्वीर शेयर की।

> पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन ने कोहली को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके खेल के प्रति जुनून, मेहनत और लगन की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि कोहली का खेल के प्रति प्यार आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करता है।



सुरेश रैना बोले- कोहली को बल्लेबाजी करते देखना खुशी की बात

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने कोहली को किंग बताते हुए उनके कवर ड्राइव और यादगार रन चेज का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि कोहली ने क्रिकेट फैंस को अनगिनत यादें दी हैं। उन्हें कोहली की बल्लेबाजी देखना बेहद पसंद है।

दिनेश कार्तिक बोले- 38 में भी फिटनेस का जवाब नहीं

पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज और कोहली के RCB साथी दिनेश कार्तिक ने उनकी फिटनेस और खेल के जुनून की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'हर साल वही आग और जुनून। 38 साल की उम्र में भी इतनी फिटनेस पहले कभी नहीं देखी। जन्मदिन मुबारक हो विराट।'



विराट कोहली ने बुधवार को ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ 74 रन बनाए।

मनोज तिवारी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ साझेदारी याद की

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने कोहली के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई साझेदारी की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा कि कुछ साझेदारियां रनों के लिए नहीं, बल्कि उनसे जुड़ी यादों के लिए खास होती हैं। उन्होंने कोहली से इसी जुनून और समर्पण के साथ नई पीढ़ी को प्रेरित करते रहने की बात कही। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल ने कोहली को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'आपका आने वाला जीवन स्वस्थ रहे। खुश रहो, आबाद रहो।'

महिंद्रा एंड महिंद्रा को दूसरी तिमाही में 4,588 करोड़ का मुनाफा

मुंबई। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार



करने वाले महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समेकित आधार पर 4,588 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो एक साल पहले की समान तिमाही के मुकाबले 25 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशक मंडल की गुरुवार को हुई बैठक के बाद वित्तीय परिणाम घोषित किये गये। दूसरी तिमाही में कंपनी का समेकित राजस्व भी 25 फीसदी बढ़कर 57,553 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एयरटेल का मुनाफा 27 प्रतिशत बढ़कर 14,126 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। निजी दूरसंचार कंपनी



भारती एयरटेल का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 14,126 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 26.7 फीसदी अधिक है। कंपनी ने गुरुवार को निदेशक मंडल की बैठक के बाद वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने बताया कि दूसरी तिमाही में उसका समेकित राजस्व 16.7 फीसदी बढ़कर 58,539 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान उसके सबस्क्राइबरों की संख्या में 11.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2026 ने तोड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली। अमेजन ने आज जारी अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2026 में कई उपलब्धियां हासिल करने की घोषणा की। इस शॉपिंग इवेंट ने ग्राहकों की बचत,

धनतेरस से पहले सोने-चांदी की कीमतों में आया उछाल

सोना 2266 रु. बढ़कर 1,45,500 प्रति 10 ग्राम व चांदी 1,90,770 रु. प्रति किग्रा रही

व्यापार संवाददाता, नई दिल्ली।

धनतेरस से ठीक पहले सोने और चांदी की कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 2266 रुपये बढ़कर 1,45,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 3035 रुपये उछलकर 1,90,770 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई, सोने का भाव कॉमैक्स पर 1.86 प्रतिशत बढ़कर 4147 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था और चांदी भी 1.77 प्रतिशत उछलकर 53 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गई।



अगर आप इस त्योहारी सीजन में सोने-चांदी की खरीदारी का मन बना रहे हैं, तो दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,42,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,060 रुपये प्रति 10 ग्राम में बिक रहा है। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,810 रुपये और 22 कैरेट का भाव 1,30,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। 22 कैरेट सोने की अंगूठी की कीमत उसके वजन, मेकिंग चार्ज और टैक्स जैसे घटकों पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में 4 ग्राम की एक अंगूठी की अंतिम कीमत लगभग 63,700 रुपये से 66,500 रुपये के आसपास हो सकती है, जबकि भारी या डिजाइनर अंगूठियों की कीमत 90,000 रुपये से 1.5 लाख रुपए से अधिक तक जा सकती है। हालांकि, चांदी की कीमत में थोड़ी कमी आई है और यह 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे एक दिन पहले दिल्ली के सराफा बाजार में चांदी की कीमत में 9,000 रुपये की बड़ी उछाल देखी गई थी। जानकारों के अनुसार, साल 2025 में सोने और चांदी दोनों की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई थी, जब भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर इन कीमती धातुओं का रुख किया था।

सरकारी खजाने में आएगी भारी रकम

1,100 करोड़ रु. से अधिक की अचल संपत्तियों के मुद्रीकरण की सिफारिश

व्यापार संवाददाता, नई दिल्ली।

केंद्र के एक अंतर-मंत्रालयी समूह (आईएमजी) ने 1,100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अचल संपत्तियों को बाजार में चढ़ाने के मुद्रीकरण प्रस्तावों को मंत्रिमंडल द्वारा स्थापित वैकल्पिक तंत्र (एएम) के समक्ष विचार और अनुमोदन के लिए रखे जाने की सिफारिश की है। सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) और दूरसंचार विभाग (डीओटी) के सचिवों अध्यक्षता वाले इस आईएमजी की ये सिफारिशें केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) की अधिशेष भूमि और भवन परिसंपत्तियों से संबंधित हैं। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि ये सिफारिशें बेकार पड़ी और कम उपयोग वाली सार्वजनिक परिसंपत्तियों को बाजार में भुनाने और उनके लाभदायक इस्तेमाल को सुविधाजनक बनाने के केन्द्र सरकार के प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।



ये सिफारिशें सरकार के परिसंपत्ति मुद्रीकरण कार्यक्रम की तेज गति को दर्शाती हैं, जो सीपीएसई और अन्य सरकारी संस्थाओं को व्यवस्थित मूल्यांकन, पेशेवर लेनदेन तैयारी और प्रतिस्पर्धी मूल्य खोज के माध्यम से अधिशेष परिसंपत्तियों की आर्थिक क्षमता का एहसास करने में सक्षम बनाने का प्रयास करती है।अनुशंसित प्रस्तावों को विचार और अनुमोदन के लिए कैबिनेट द्वारा प्रत्यायोजित वैकल्पिक तंत्र के समक्ष रखा जाएगा। अपेक्षित अनुमोदन के बाद, निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार आगे मुद्रीकरण गतिविधियां शुरू की जाएंगी। अधिशेष भूमि और अन्य गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए सरकार के विशेष संस्थान के रूप में, एनएलएमसी संबंधित मंत्रालयों, विभागों और परिसंपत्ति-स्वामित्व वाली संस्थाओं के साथ मिलकर काम करते हुए परिसंपत्ति मूल्यांकन, समुचित उद्यम, मूल्यांकन, लेनदेन संरचना और बाजार का सामना करने वाली मुद्रीकरण प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम (एनएलएमसी) वित्त मंत्रालय के सार्वजनिक उद्यम विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सरकार की एक पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। केंद्रीय बजट 2021-22 की घोषणा के अनुसार स्थापित, एनएलएमसी पेशेवर लेनदेन सलाह, समुचित उद्यम, मूल्यांकन और पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी मुद्रीकरण प्रक्रियाओं के माध्यम से सीपीएसई और सरकारी संस्थाओं की अधिशेष भूमि और अन्य गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण की सुविधा प्रदान करता है।

अक्टूबर में गोल्ड ईटीएफ निवेश में 26 फीसदी की गिरावट

विशेषज्ञों ने निवेशकों को दी संयम बरतने की सलाह

व्यापार संवाददाता, नई दिल्ली।

अक्टूबर महीने में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशकों की दिलचस्पी कम होती दिखी है। इस अवधि में गोल्ड ईटीएफ में लगभग 3,300 करोड़ रुपये का नया निवेश आया, जो सितंबर के 4,450 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 26 फीसदी कम है। सितंबर में यह आंकड़ा पिछले सात महीनों का उच्चतम स्तर था। इस गिरावट के मुख्य कारण म्यूचुअल फंड कंपनियों ?द्वारा गोल्ड फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) में नया निवेश रोकना और सोने की कीमतों में आई नरमी रहे। इस गिरावट के पीछे



सबसे बड़ा कारण अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा गोल्ड फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) में नया निवेश बंद करना रहा। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निर्देश पर यह फैसला लिया गया था, जिसकी वजह देश में सोने का बढ़ता आयात और रुपये पर दबाव की चिंताएं थीं। चूंकि गोल्ड एफओएफ, गोल्ड ईटीएफ में निवेश का एक प्रमुख जरिया है, इसलिए इसके बंद होने से ईटीएफ में नया पूंजी प्रवाह काफी हद तक रुक गया। सोने की कीमतों में आई नरमी भी निवेश में गिरावट की दूसरी बड़ी वजह है। सितंबर और अक्टूबर के दौरान सोने के दाम में करीब 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

भविष्य में सोने की कीमतों में बना रह सकता है उतार-चढ़ाव

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका में बढ़ती महंगाई की चिंताएं फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें बढ़ाने के लिए प्रेरित कर सकती हैं, जिससे अमेरिकी बॉन्ड यील्ड बढ़ रही है और डॉलर मजबूत हो रहा है। ऐसे वैश्विक परिदृश्य में, ब्याज न देने वाला सोना निवेशकों के लिए कम आकर्षक हो जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार निकट भविष्य में सोने की कीमतों पर दबाव बना रह सकता है और इसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने निवेशकों को सलाह दी है कि वे एक साथ पूरी रकम लगाने के बजाय, कीमतों में गिरावट आने पर धीरे-धीरे निवेश करने पर विचार करें।

जियो फाइनेंस प्लेटफॉर्म ने पेश की पॉइंट्स को सोने में बदलने की योजना

व्यापार संवाददाता, मुंबई।

जियो फाइनेंस प्लेटफॉर्म एंड सर्विस लिमिटेड (जेएफपीएसएल) ने गुरुवार को जियोफाइनेंस ऐप पर एक नए फीचर की शुरुआत की जिसमें ग्राहक अपने जमा किए गए जियोपॉइंट को जियोगोल्ड में बदल सकेंगे। जेएफपीएसएल जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है। कंपनी के अनुसार धनतेरस से पहले शुरू की गई इस सुविधा से ग्राहक रोजमर्रा के वित्तीय लेनदेन से अर्जित जियोपॉइंट्स को डिजिटल गोल्ड में बदल सकेंगे। इस सुविधा के तहत ग्राहक यूपीआई भुगतान और बिल भुगतान सहित पात्र लेनदेन के माध्यम से अर्जित जियोपॉइंट्स को 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड में बदल सकते हैं। प्रत्येक जियोपॉइंट का मूल्य 0.25 रुपये निर्धारित किया गया है और डिजिटल गोल्ड में बदलने के लिए ग्राहक के पास कम से कम 400 जियोपॉइंट्स होना जरूरी है। 400 जियोपॉइंट्स का मूल्य 100 रुपये के बराबर होगा। ग्राहकों को मिलने वाले डिजिटल गोल्ड की मात्रा कन्वर्जन के समय प्रचलित सोने की कीमत के आधार पर तय की जाएगी।

नव उद्यम योजना के विचारों को मिलेगा अनुदान

प्रोत्साहन : सरकारी कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए बनेगा पांच करोड़ का नवाचार कोष

■ उद्यमिता शिविरों में उत्पादों की बिक्री और उद्योगों का भ्रमण कराकर रोजगार के लिए किया जाएगा तैयार

भोपाल (नगर संवाददाता)

सरकारी महाविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अब केवल नौकरी तलाशने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें अपना कारोबार शुरू करने और दूसरों को रोजगार देने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने पांच करोड़ रुपये का नवाचार कोष बनाने की पहल की है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के नए व्यावसायिक विचारों को प्रोत्साहन देकर चयनित और बेहतर स्टार्टअप योजनाओं के लिए अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं में नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता की भावना विकसित करना है।

उद्यमिता शिविर से लेकर उद्योग भ्रमण तक की तैयारी

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के तहत भोपाल के शासकीय हमीदिया महाविद्यालय सहित रीवा और झाबुआ के दो महाविद्यालयों में उद्यमिता शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए कुल 45 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। प्रत्येक महाविद्यालय को 15 हजार रुपये मिलेंगे। एक दिवसीय शिविर में विद्यार्थी अपने बनाए उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने के साथ बिक्री भी कर सकेंगे। बैंक, जिला उद्योग केंद्र और खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अधिकारी उन्हें स्वरोजगार और ऋण योजनाओं की जानकारी देंगे। वहीं, विद्यार्थियों को औद्योगिक गतिविधियों से परिचित कराने के लिए प्रदेश के 25 जिलों के 31 सरकारी महाविद्यालयों को 4.65 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। प्रत्येक महाविद्यालय को 15 हजार रुपये मिलेंगे। इसके तहत विद्यार्थियों को उद्योगों, कंपनियों, वैज्ञानिक संस्थानों

एसआईआर के विरोध पर भाजपा का कांग्रेस पर पलटवार

राहुल देश में फैला रहे अराजकता, 13 करोड़ नाम काटने का दावा भ्रामक

■ कांग्रेस शासनकाल में 10 बार हो चुका है मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

भोपाल (नगर संवाददाता)



मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी चुनावी हार का ठीकरा निर्वाचन आयोग और संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ रही है। दोनों नेताओं ने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। आजादी के बाद 12 बार यह प्रक्रिया अपनाई गई, जिनमें 10 बार कांग्रेस शासनकाल में हुई। ऐसे में कांग्रेस का इसका विरोध करना समझ से परे है।

13 करोड़ नाम हटाने का दावा भ्रामक– हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि राहुल गांधी मतदाता सूची से 13 करोड़ नाम हटाने का दावा कर जनता को भ्रमित कर रहे हैं। मतदाता सूची के सत्यापन में अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत और दोहरी प्रविष्टियों वाले नामों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। भाजपा ने इसी मुद्दे पर 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। भोपाल, इंदौर और जबलपुर में पदयात्राएं निकाली जा चुकी हैं। अब इसे जिला स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

मध्यप्रदेश में भी हटे लाखों नाम

मध्यप्रदेश में लगभग 2.70 लाख दोहरी प्रविष्टियों और 8.46 लाख मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि देशभर में 13 करोड़ नाम हटाने का आंकड़ा गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उनके मुताबिक, इनमें करीब 6.3 करोड़ स्थायी रूप से स्थानांतरित, तीन करोड़ पते पर नहीं मिले, 2.5 करोड़ मृत और एक करोड़ दोहरी प्रविष्टियों वाले मतदाता शामिल हैं। उन्होंने कांग्रेस को निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाने के बजाय अपनी चुनावी हार के कारणों पर आत्ममंथन करने की सलाह दी।

चर्चा करने से बच रही कांग्रेस

प्रेम शुक्ला ने कहा कि एसआईआर को अवैध बताने वाली कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में यह प्रक्रिया कैसे उचित थी। उन्होंने राहुल गांधी पर संसद में चर्चा से बचने और सड़क पर बहस की चुनौती देने का आरोप लगाया।

गोवर्धन पर्व पर 9 नवंबर को प्रदेशभर में होगा गौ-पूजन

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र सरकार 9 नवंबर को गोवर्धन पर्व मनाएगी। इस अवसर पर गौ-पूजन एवं पशुपालक सम्मान समारोह होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल के रवींद्र भवन में दोपहर 12.30 बजे से राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के विजयी पशुपालकों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर भी गौ-पूजन और पशुपालक सम्मान कार्यक्रम होंगे।

वृंदावन गांवों में आयोजित गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालकों को मुख्यमंत्री द्वारा प्रमाण-पत्र एवं सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री प्रदेश की 3 हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित 5.51 लाख गोवंश के भरण-पोषण के लिए सितंबर की 60 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान राशि डीबीटी से ट्रांसफर करेंगे।

सरकार ने जारी किया पुनः उपयोग नीति-2026 का ड्राफ्ट

गंदे पानी को साफ कर खेतों, उद्योगों और निर्माण कार्यों में उपयोग करेगी सरकार

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में पानी की बढ़ती जरूरत और घटते जल संसाधनों को देखते हुए सरकार अब सीवेज यानी घरों और शहरों से निकलने वाले गंदे पानी को दोबारा इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए राज्य सरकार ने 'मप्र उपचारित अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग नीति-2026' का ड्राफ्ट जारी किया है। सरकार ने इस पर विशेषज्ञों के साथ आम लोगों से भी सुझाव मांगे हैं। नीति का मकसद सीवेज के पानी को साफ कर ऐसे कामों में इस्तेमाल करना है, जहां पीने के पानी की जरूरत नहीं होती।

इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव-2.0 में इस नीति का प्रारूप सार्वजनिक किया गया। सरकार का मानना है कि तेजी से बढ़ते शहरों, उद्योगों और आबादी के कारण आने वाले वर्षों में पानी की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में हर काम के लिए भूजल और नदियों के पानी पर निर्भर रहना संभव नहीं होगा। इसलिए सीवेज के पानी को साफ करके दोबारा उपयोग में लाने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। नीति के तहत सरकार ने उपचारित पानी के दोबारा इस्तेमाल के लिए अलग-अलग समय सीमा तय की है। वर्ष 2027 तक 20 प्रतिशत, 2030 तक 30 प्रतिशत और 2037 तक 50 प्रतिशत उपचारित पानी का पुनः उपयोग करने का लक्ष्य रखा गया है।

नीति के अनुसार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में साफ किए गए पानी का इस्तेमाल कई कामों में किया जा सकेगा। उद्योगों में उत्पादन, भवन निर्माण, पार्कों और बगीचों में सिंचाई, सड़कों की धुलाई, सार्वजनिक शौचालयों में फ्लशिंग और आग बुझाने जैसे कामों में इसका उपयोग किया जाएगा। उपयुक्त मानकों को पूरा करने पर कृषि और सिंचाई के लिए भी उपचारित पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे पीने योग्य पानी की बचत होगी और भूजल पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

अलग पाइप लाइन से होगी पानी की सप्लाई

नीति में साफ किए गए पानी को लोगों तक पहुंचाने के लिए अलग व्यवस्था बनाने का प्रावधान है। इसके लिए दोहरी पाइपलाइन विकसित की जाएगी। यानी पीने के पानी और उपचारित पानी की सप्लाई अलग-अलग पाइप से होगी, ताकि दोनों का मिश्रण न हो। पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच और निगरानी भी की जाएगी, जिससे लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। उपचारित पानी को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए पाइपलाइन, भंडारण केंद्र और टैंकर भरने के स्टेशन बनाए जाएंगे। नीति पर नजर रखने के लिए राज्य स्तर पर उच्चाधिकार प्राप्त संचालन समिति और तकनीकी प्रकोष्ठ बनाया जाएगा।

फर्जीवाड़े की सुनवाई नहीं होने पर जहर खाकर थाने पहुंचे व्यक्ति ने तोड़ा दम

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुद्रा लोन दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से पैसा ऐंठ लिया गया। इस बात से आहत एक पीड़ित ने बुधवार शाम जहर का सेवन कर लिया। वह उसी अवस्था में अशोका गार्डन थाने की बैंच में जाकर लेट गया था। उसकी इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई। इधर, इस मामले में पुलिस ने संदेही के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और जालसाजी का प्रकरण दर्ज करके उसे हिरासत में ले लिया है। नरेंद्र सिंह राजपूत ने कई लोगों से कर्जा ले रखा था। उन्होंने मुद्रा लोन के लिए भी कर्जा लिया था। उन कर्जदारों से भी



क्या है मामला

पुलिस के अनुसार सेमरा निवासी 40 वर्षीय नरेंद्र सिंह राजपूत की मौत हुई है। वह मूलत: विदिशा जिले का रहने वाला है। उसने आठ साल पहले प्रतीक्षा राजपूत से प्रेम विवाह किया है। नरेंद्र सिंह राजपूत रैपिडो चलाने का काम करता था। उसने आत्महत्या से पूर्व तेरह मिनट का वीडियो बनाया है। वीडियो में दिए बयान के अनुसार छह साल पहले उनकी पहचान पुलक सक्सेना से हुई थी। वह स्वयं को सरकारी अधिकारी बताता थ। उसने साढ़े बारह लाख रुपए का मुद्रा लोन दिलाने का झांसा दिया था। लोन के लिए कर्ज लेकर नरेंद्र सिंह राजपूत ने करीब पौने तीन लाख रुपए उसे दिए थे। इस मामले की शिकायत वह थाने में करने कई बार गए थे।

दिवाली से पहले कचरे का अंबार



■ 14 हजार निगमकर्मी हड़ताल पर, 85 वार्डों में कामकाज प्रभावित

■ न्यू मार्केट में लगे कचरे का ढेर, गंदगी-बदबू में खरीदारी कर रहे ग्राहक

नगर निगम मुख्यालय की बिजली काटी

भोपाल (नगर संवाददाता)

सफाई कर्मियों की हड़ताल की वजह से दीपावली (दिवाली) से ठीख पहले धनतेरस पर रोशनी से जगमगाने वाले शहर की सड़कों पर कचरे का अंबार लगा है। बाजार की रौनक पर कचरे के दाग साफ नजर आ रहे हैं। जहां देखो वहीं गंदगी फैली हुई है। घरों से कचरा उठना बंद है। कचरादान भर चुके हैं। गली-मोहल्लों में कचरे के टीले देखे गये। दूसरे दिन सफाई कर्मचारियों की हड़ताल में अब नगर निगम के नियमित, विनियमित और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी भी शामिल हो गए हैं। भोपाल में करीब 14 हजार कर्मचारियों के आंदोलन में उतरने से सफाई से लेकर जलप्रदाय और बिजली व्यवस्था तक प्रभावित होने लगी है। गुरुवार को कर्मचारियों ने अटल भवन पर जमकर नारेबाजी की। कर्मचारी नेता अशोक वर्मा ने नगर निगम मुख्यालय अटल भवन की बिजली काटकर वहां ताला लगा दिया। अब कर्मचारियों ने शुक्रवार से पानी की सप्लाई बंद करने की चेतावनी दी है। इससे राजधानी के 2.30 लाख से ज्यादा नल कनेक्शन वाले घरों पर पेयजल संकट का खतरा मंडराने लगा है।

सफाईकर्मियों के साथ अब निगम मुख्यालय, जोन और वार्ड कार्यालयों में काम करने वाले नियमित, विनियमित और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हो गए हैं। इनमें कम्प्यूटर ऑपरेटर, लिपिक, जलप्रदाय, अग्निशमन, भवन अनुज्ञा, अतिक्रमण, विद्युत, यांत्रिकी, उद्यान और योजना प्रकोष्ठ के कर्मचारी शामिल हैं। प्रदेश के नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषदों में कार्यरत करीब 1.48 लाख कर्मचारियों के आंदोलन में शामिल होने का दावा है। भोपाल में इनकी संख्या करीब 14 हजार बताई जा रही है।

400 से ज्यादा कचरा गाड़ियां खड़ीं रोज निकलता है 850 टन कचरा



हड़ताल से शहर के सभी 85 वार्डों और 21 जोन में सफाई व्यवस्था प्रभावित है। घरों से कचरा उठाने वाली 400 से ज्यादा गाड़ियां गार्बेज स्टेशनों पर खड़ी हैं। सामान्य दिनों में प्रत्येक गाड़ी रोज दो से तीन चक्कर लगाती है। शहर के 17 गार्बेज स्टेशनों पर कचरा जमा होता है, जहां से कैप्सूल टैंकरों के जरिए इसे आदमपुर छावनी भेजा जाता है। भोपाल से रोज करीब 850 टन कचरा निकलता है जो कि दिवाली के समय बढ़ जाता है। गाड़ियां बंद होने से कचरा उठाव और निस्तारण की व्यवस्था बिगड़ गई है। लिंक रोड नंबर-1, पांच नंबर स्टॉप, सात नंबर चौराहे, एमपी नगर एसडीएम कार्यालय, शिवाजी नगर और तुलसी नगर में कचरे के ढेर लगने लगे हैं। चूना भट्टी सहित कुछ इलाकों में लोग कचरे में आग लगा रहे हैं। इससे धुआं और प्रदूषण भी बढ़ रहा है। न्यू मार्केट सहित कुछ बाजारों में व्यापारियों ने स्वयंसेवकों की मदद से सफाई कराई है।

अटल भवन की बिजली काटीआज तालाबंदी की चेतावनी

कर्मचारियों का आक्रोश गुरुवार को नगर निगम मुख्यालय तक पहुंच गया। कर्मचारी नेता अशोक वर्मा ने अटल भवन की बिजली काटकर वहां ताला लगा दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो पूरे शहर की दिवाली अंधेरे में रहेगी। कर्मचारी नेताओं ने शुक्रवार को निगम मुख्यालय में पूरी तरह तालाबंदी करने का भी ऐलान किया है।



एसीएस से बैठक बेनतीजा, मांगें मानने से इनकार

हड़ताल खत्म कराने के लिए कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों ने नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे से मुलाकात की, लेकिन बातचीत में कोई समाधान नहीं निकला। कर्मचारी नेताओं के मुताबिक, बैठक में उनकी मांगें मानने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद आंदोलन जारी रखने का फैसला किया गया। इससे पहले मंगलवार को कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देने के लिए प्रदर्शन किया था। ज्ञापन लेने कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा तो कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने की योजना बनाई। पुलिस ने जहांगीराबाद चौराहे पर बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। विरोध में कर्मचारी करीब दो घंटे तक सड़क पर बैठे रहे।

25 हजार न्यूनतम वेतन और नियमितीकरण की मांग

कर्मचारी न्यूनतम वेतन 25 हजार रुपये करने, नियमितीकरण, सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने और ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके पति या पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग भी शामिल है। कर्मचारियों का कहना है कि मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगी। शुक्रवार से पानी की सप्लाई बंद करने की चेतावनी के बीच अब शहरवासियों की चिंता बढ़ गई है। दिवाली से पहले सफाई व्यवस्था पहले ही बिगड़ चुकी है, ऐसे में जलप्रदाय और बिजली सेवाओं पर असर पड़ा तो त्योहार की तैयारियों के बीच लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

मध्यप्रदेश के 19 शहरों में एक्यूआई 100 के पार, ग्वालियर की हवा सबसे खराब

सांसों पर संकट | राज्य के बड़े शहरों की हवा हुई दमघोंटू

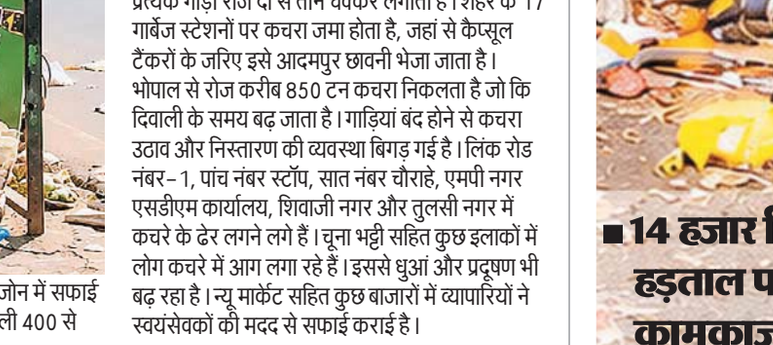
भोपाल (नगर संवाददाता)

नजदीक आती दीपावली के साथ ही प्रदेश में सांसों का संकट खड़ा होने लगा है। वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने से प्रदेश के कई शहरों की हवा दमघोंटू हो गई है, जिसमें ग्वालियर अव्वल है। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 222 पर पहुंच गया है, जो गंभीर श्रेणी में माना जाता है। इसके साथ ही भोपाल, इंदौर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में भी हवा की गुणवत्ता प्रदूषित है। जबकि विंध्य और बुंदेलखंड शहरों में भी प्रदूषण का स्तर अस्वास्थ्यकर श्रेणी में पहुंच गया है।

वायु गुणवत्ता के आंकड़े बताते हैं कि राज्य के करीब 30 शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है। अधिकांश की हवा खराब से अस्वास्थ्यकर श्रेणी में पहुंच गई है। ग्वालियर जहां गंभीर श्रेणी में है। वहीं दूसरी ओर 55 जिलों में 14 में वायु गुणवत्ता खराब है, मध्यम श्रेणी के 4 और 8 जिलों की हवाएं अस्वास्थ्यकर है। गुरुवार भोपाल में एक्यूआई 113 दर्ज किया गया। यहां पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 का स्तर 40 और पीएम 10 का स्तर 48 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर रहा। इंदौर में एक्यूआई 101 और जबलपुर में 102 दर्ज किया गया। सागर में भी यह आंकड़ा 120 तक पहुंच गया।

बड़े शहरों की स्थिति

शहर	एक्यूआई	स्थिति
ग्वालियर	222	गंभीर
भोपाल	113	खराब
इंदौर	101	खराब
जबलपुर	102	खराब
सागर	120	खराब
उज्जैन	99	मध्यम



मुरैना में 152 और कटनी में 127 दर्ज किया गया पार्टिकुलेट मैटर

ग्वालियर में पीएम 2.5 का स्तर 147 और पीएम 10 का स्तर 177 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर दर्ज हुआ। यह प्रदेश के उपलब्ध आंकड़ों में सबसे अधिक है। मुरैना में एक्यूआई 152 और सिंगरौली में 150 रहा। दमोह में 144, उमरिया में 140 और कटनी में 127 दर्ज किया गया। इससे स्पष्ट है कि प्रदूषण का असर केवल बड़े औद्योगिक और व्यावसायिक शहरों तक सीमित नहीं है।

विंध्य-बुंदेलखंड में भी बिगड़ी हवा | रीवा और सतना में एक्यूआई 158, मैहर में 158, खजुराहो में 157 और छतरपुर में 162 दर्ज किया गया। इन शहरों में हवा अस्वास्थ्यकर श्रेणी में रही। ओरछा में भी एक्यूआई 152 दर्ज हुआ। ऐसे में प्रदेश के अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ रही है।

हवा बिगड़ी तो स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को किया सतर्क

सर्दी की शुरुआत के साथ बिगड़ती हवा को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एडवायजरी जारी की है। बढ़ते प्रदूषण और दीपावली पर आतिशबाजी से संभावित स्वास्थ्य खतरों को देखते प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों को अलर्ट किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल कॉलेजों के अधिष्ठाताओं, सीएमएचओ और सिविल सर्जनों को एडवाइजरी जारी कर दवाओं, ऑक्सीजन, नेबुलाइजर और वेंटिलेटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। जनरल मेडिसिन, शिशु रोग, श्वसन रोग, हृदय रोग और न्यूरोलॉजी विभागों में विशेष तैयारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसक साथ ही आईसीएमआर के 2019 के अध्ययन का हवाला देते हुए बताया है कि देश में कुल मौतों के करीब 18 प्रतिशत मामले वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों से जुड़े थे। इनमें सीओपीडी, हृदय रोग, स्ट्रोक और श्वसन संक्रमण प्रमुख हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और पहले से सांस व हृदय रोगों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मप्र में अगले 10 दिनों में बढ़ेगी ठंड

चार दिनों में दो डिग्री सेल्सियस तक गिरेगा न्यूनतम तापमान

■ पिछले 24 घंटे में कहीं नहीं हुई बारिश, साफ रहा आसमान

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में अब ठंड धीरे-धीरे जोर पकड़ने वाली है। अगले चार दिनों में रात के न्यूनतम तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने का अनुमान है। नवंबर के दूसरे सप्ताह से सर्दी का असर और बढ़ेगा। धनतेरस और दीपावली के दौरान प्रदेश में कहीं भी बारिश या आंधी का अलर्ट नहीं है। इन सबके बीच पिछले 24 घंटे में प्रदेश के किसी भी हिस्से में बारिश दर्ज नहीं की गई। आसमान साफ रहने से दिन में धूप खिली रही, जबकि सुबह और रात के समय हल्की ठंड महसूस होने लगी है। मौसम विभाग ने 8 नवंबर तक प्रदेश के किसी भी जिले में आंधी-तूफान या बारिश की चेतावनी जारी नहीं की है।

चक्रवाती सिस्टम का असर कमजोर

मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वी तेलंगाना और उससे लगे तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र 5 नवंबर की सुबह कमजोर पड़ गया। यह गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु का अवशेष था। हालांकि इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण अब भी 3.1 से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर मौजूद है। इसके अलावा उत्तराखंड के आसपास ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण और पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है। जिससे मध्यप्रदेश में बारिश की संभावना नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email :timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।